संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -258 गुरूवार,20 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने विपक्षी एकता को दिया बड़ा झटका

अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ,19 जुलाई 2023 (ए)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी न तो 26 सदस्यीय 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होगी और न ही 39 सदस्यीय एनडीए के साथ जाएगी। उन्होंने कहा कि वह दोनों गठबंधनों से समान दूरी बनाए रखेंगी और आगामी लोकसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेंगी। उन्होंने एक वीडियो बयान में कहा, चूंकि लोकसभा चुनाव नजदीक है, हमारी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और हम देश भर में बैठकें भी कर रहे हैं।

इस दौरान उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन सत्ता में आने का सपना देख रहा। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मायावती ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने के लिए गठबंधन कर रही है। वह जातिवादी दलों के साथ गठबंधन कर रही है। मगर हम अपने दम पर लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ेगें। बसपा सुप्रीमो ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में अकेले चुनाव लड़ने की बात कही। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा में हम साथी दलों के साथ चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के कथनी और करनी में ज्यादा अंतर नहीं है।

सत्ताधारी पार्टी के कथनी और करनी में ज्यादा अंतर नहीं

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ चुकी है। इसको लेकर सभी पार्टियां मीटिंग कर रही हैं. सत्ता पक्ष एनडीए अलग दलीलें दे रहा है। सत्ताधारी पार्टी के कथनी और करनी में ज्यादा अंतर नहीं है। जनता को किए गए अधिकांश वादे खोखली रही है। सत्तापक्ष को मात देने के लिए विपक्षी गठबंधन बना है।

कांग्रेस के वादे हवा हवाई

बसपा चीफ ने कहा कि कांग्रेस अगर ईमानदारी से काम किया होता, बाबा साहब की बात को मान लिया होता है तो इन्हें सत्ता से बहार नहीं निकलना पड़ता। अब कांग्रेस पार्टी अपने जैसे जातिवाद और पूंजीवाद के साथ गठबंधन करके सत्ता में आने का कोशिश कर रही है। मायावती ने कांग्रेस के वादे को हवा हवाई बताया।

2024 में एनडीए बनाम इंडिया की लड़ाई

बता दें कि पटना में 23 जून को हुई बैठक के बाद विपक्षी दलों ने बेंगलुरु में दूसरी बार बैठक की। इस बैठक में 26 विपक्षी दल इकट्ठा हुए. इस दौरान यूपीए का नाम बदलकर इंडिया कर दिया गया। इस बैठक के बाद शाम में दिल्ली में एनडीए के 38 दलों की बैठक हुई. इससे क्लियर हो गया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में लड़ाई एनडीए बनाम इंडिया होगी।

पाक महिला के पास से मिले 4 मोबाइल

पांच पासपोर्ट समेत बहुत कुछ

नई दिल्ली,19 जुलाई 2023 (ए)। सीमा पार से आई सीमा हैदर की जांच में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। बुधवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश डीजीपी द्वारा इस संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि सीमा हैदर के पास से दो वीडियो कैसेट, चार मोबाइल फोन, पांच पाकिस्तान अधिकृत पासपोर्ट, अधूरे नाम और पते के साथ एक अप्रयुक्त पासपोर्ट और आईडी कार्ड बरामद किया गया है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी कार्यालय ने एक संक्षिप्त नोट जारी करते हुए बताया कि इसकी जांच चल रही है। वह अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई और जिला पुलिस इस संबंध में जांच कर रही है।

अंतराष्ट्रीय यात्रियों के लिए भारत में 'आरटीपीसीआर' की अनिवार्यता समाप्त

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2023 (ए)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वैश्विक स्तर पर कोविड संक्रमण घटते हुए मामलों के देखते हुए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की कोविड जांच दो प्रतिशत 'आरटी पीसीआर' की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आज बताया कि दुनिया भर में कोविड संक्रमण के घटते मामले को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए कोविड मानकों में ढील दी गयी है।

भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में से दो प्रतिशत यात्रियों की आरटी पीसीआर जांच की आवश्यकता समाप्त कर दी गयी है। हालांकि अन्य दिशा निर्देश पूर्व भांति लागू रहेंगे। मंत्रालय ने कहा है कि कोविड संक्रमण की अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कुछ महीने पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड की आपात स्थिति समाप्त कर दी है। इसके बाद हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले यात्रियों को कोविड टीकाकरण कराना आवश्यक है और उन्हें मास्क लगाने, उचित दूरी बनाने और थर्मल जांच से गुजरना होगा। इसाके अलावा कोविड लक्षण दिखने पर एकांतवास में जाना होगा।

दिल्ली में यमुना फिर खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2023 (ए)। यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान को पार कर 205.35 मीटर तक पहुंच गया है।

बुधवार सुबह सात बजे यह खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया। एक घंटे बाद जलस्तर 205.48 मीटर पर पहुंच गया। खतरे का स्तर 205.33 मीटर है। यह खतरे के स्तर से 15 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। अधिकारी पहाड़ी इलाकों में मौजूदा बारिश के कारण मात्रा में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

» **आईजीपी की कार फूंकी गई, आरएएफ से झड़प में 19 महिलाएं घायल**

इंफाल ,19 जुलाई 2023 (ए)। इंफाल पश्चिम के चाकीथेल इलाके में मंगलवार को एक भीड़ ने एक आईपीएस अधिकारी के वाहन को आग लगा दी, जबकि एक अन्य घटना में, उसी जिले में रैपिड एक्शन फोर्स के साथ झड़प के दौरान कम से कम 19 महिलाएं घायल हो गईं।

भीड़ ने पुलिस महानिरीक्षक- जोन द्वद्ध, के. कबीब के वाहन में आग लगा दी, जब वह अपनी एस्कॉर्ट टीम के साथ टिडिम रोड पर इंफाल की ओर जा रहे थे। घटना के दौरान, एक पुलिस कर्मी जलते हुए वाहन के अंदर से निकली गोली से घायल हो गया, जो उसके पैर में लगी। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरक्षित रहे।

सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और बाद में 30 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी घटना में, राज्य में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली की मांग को लेकर धरने में भाग लेने के बाद महिलाओं और आरएएफ कर्मियों के बीच झड़प हो गई। राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए, उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ व्यक्ति भी धरने में शामिल हुए, जिनके सदस्य पहले खमेनलोक घटना में मारे गए थे। प्रदर्शनकारियों ने जब सिंगजामेई बाजार से बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

इस बीच, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की. सीएम सचिवालय में आयोजित बैठक में मणिपुर सरकार के मुख्य सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मुख्य सचिव विनीत जोशी, पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बाद में ट्वीट किया, राज्य सरकार राज्य में सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय कर रही है। हालांकि, पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान गोलीबारी, आगजनी और अनियंत्रित भीड़ की छिटपुट घटनाओं के कारण कुछ स्थानों पर स्थिति तनावपूर्ण है। सुरक्षा बलों ने घाटी और पहाड़ी दोनों जिलों के संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तलाशी अभियान चलाया और इंफाल पूर्व से तीन हथियार और छह विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद बरामद किए गए। एक अवैध बंकर को भी ध्वस्त कर दिया गया।

मां वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बुरी खबर

नया मार्ग हुआ बंद; हेलीकॉप्टर सेवा भी निरस्त हुआ

जम्मू ,19 जुलाई 2023 (ए)। देशभर में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। खराब मौसम और बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा को भी कई बार स्थगित किया जा चुका है। इसी बीच माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खबर है। अगर आप मां वैष्णो देवी के दर्शन करने का प्लान बना रहे हैं तो आपको इन आदेशों के बारे में पूरा जान लेना चाहिए।

दरअसल, खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर का नया मार्ग बंद कर दिया गया है। इसके अलावा मंदिर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा भी निलंबित कर दी है, हालांकि यात्रा पुराने ट्रैक पर सुचारू रूप से चल रही है। ऐसे में अगर आप भी माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए जा रहे हैं तो पुराने ट्रैक का प्रयोग कर सकते हैं। रियासी के एसएसपी अमित गुप्ता ने बताया कि खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर का नया मार्ग बंद कर दिया है। इसके अलावा रियासी जिले में मंदिर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा भी निलंबित कर दी है।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, बेंगलुरु में 5 संदिग्ध गिरफ्तार; गोला-बारूद भी बरामद

बेंगलुरु ,19 जुलाई 2023 (ए)। बेंगलुरु में क्राइम ब्रांच ने पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने देशद्रोही गतिविधियों में लिप्त संदिग्धों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों के नाम जुनैद, सोहेल, उमर, मुदासिर और जाहिद है। इनके पास से विस्फोटक सामग्री, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। सीसीबी पांच अन्य संदिग्धों की भी खोज में लगी है। पुलिस का कहना है कि ये पांचों संदिग्ध 2017 के एक हत्याकांड मे भी शामिल थे। उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल भेजा गया था जहां वे किछ आतंकियों के संपर्क में आ गए। इसके बाद आतंकियों ने उन्हें हथियार बनाने और चलाने की ट्रेनिंग भी दी थी। सीसीबी संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। ये पाचों संदिग्ध बेंगलुरु के अलग-अलग इलाकों में रहते थे। जांच एजेंसी को संदेह है कि ये पांचों मिलकर बेंगलुरु में धमाका करने की योजना बना रहे थे।

निलंबित सचिव ने लगाए आरोप,फर्जी हस्ताक्षर एवं सील लगाकर कर डाला लाखों का भुगतान

» **नहीं दिया गया भरत ट्रेडर्स को किसी भी सामग्री के क्रय व सप्लाई करने का आदेश**

-अरविन्द द्विवेदी-

अनूपपुर,19 जुलाई 2023(घटती-घटना)। जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम पंचायत भाद के निलंबित सचिव लल्लूराम केवट ने फर्जी हस्ताक्षर एवं सचिव की सील लगाकर कर मनरेगा के लाखों का भुगतान करने की शिकायत जिला पंचायत सीओ से की है। शिकायत में सचिव ने बताया कि वह ग्राम पंचायत भाद में सचिव के पद पर कार्यरत था। माह अप्रैल 2023 में किन्ही कारणों से उसका निलंबित आदेश जारी हुआ था। जिसके बाद से वह उक्त पद से कार्यमुक्त है। जिसके लगभग 03 माह बीत जाने के बाद माह जुलाई 2023 में उसके फर्जी हस्ताक्षर व सील लगाकर लाखों रू का भुगतान किया गया है।

लाखों रु. के भुगतान का लगाया आरोप

ग्राम पंचायत भाद के निलंबन सचिव लल्लूराम केवट ने फर्जी हस्ताक्षर एवं सील लगाकर कर मनरेगा के 384452/- रू का भुगतान करने की बात अपने शिकायत पत्र में कही है। साथ ही यह भी बताया कि दिनांक 01-07-23 को मनेरगा से जो भुगतान हुआ है। उन तीनों बिलों एवं प्रमाण पत्र में मेरा फर्जी हस्ताक्षर किया गया है, जबकि श्री भरत ट्रेडर्स निवासी अनूपपुर से कोई सामाग्री क्रय का आर्डर व सप्लाई करने का आदेश नही दिया गया है।

यह लिखा है शिकायत पत्र में

निवेदन है कि प्रार्थी लल्लूराम केवट निलंबित सचिव ग्राम पंचायत भाद मुझे श्री मान के आदेश दिनांक 15/04/23 क्रमांक-1064 के आदेश में प्रार्थी को ग्राम पंचायत भाद के सचिव के पद से निलंबित आदेश जारी हुआ है। उसके बाद प्राथमिक शाला भाद में बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का टीएस एवं एएस सिक्योर में दिनांक 09/05/2023 को जारी हुआ है। उसके दूसरे दिनांक 10-05-23 को श्री भरत ट्रेडर्स निवासी अनूपपुर के बिल नं. 813 राशि 144900/- रु, बिल नं. 814 राशि 128943/- रू, बिल नं 815 राशि 127755/- रु कुल टोटल 384452। दिनांक 01-07-23 को मनेरगा से भुगतान हुआ है। तीनों बिलों एवं प्रमाण पत्र में मेरा फर्जी हस्ताक्षर किया गया है, जबकि श्री भरत ट्रेडर्स निवासी अनूपपुर से कोई सामाग्री क्रय का आर्डर व सप्लाई करने का आदेश नही दिया गया है। जब मेरे द्वारा सीओ अनूपपुर को ग्रूप में जानकारी दी गई तो मेरे मो. नंबर को जनपद टीम के समस्त टीम से, मेरे मोबाईल नंबर को एडमिन टीम से बंद कर दिया गया। जब मुझे एपीओ साहब फोन कर के बोला गया कि बिलों में हस्ताक्षर कर दें। कुछ समय बाद मेरे वॉट्सएप्प में बिल भेजते हैं तो मैंने कहा कि ये मेरे हस्ताक्षर व सील नहीं हैं। तब मेरा फोन बंद कर दिया गया। अतः श्रीमान् जी से सादर प्रार्थना है कि फर्जी हस्ताक्षर व सील लगाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की कृपा करें।

आखिर किसने किये फर्जी हस्ताक्षर

ग्राम पंचायत भाद के निलंबित सचिव ने जिस प्रकार फर्जी हस्ताक्षर व सचिव की सील के उपयोग के गंभीर आरोप लगाए हैं उससे यह पश्न तो उठता है कि आखिर यह फर्जी हस्ताक्षर किसके हैं, जिसके उपयोग से इस फर्जीवाड़े को अंजाम देते हुए कई लाखों रुपयों की राशि मनरेगा के माध्यम से आहरित कर ली गई है। यदि पूरे मामले की स्पष्ट रूप से जांच हो तो सारा मामला उजागर हो सकता है।

एपीओ की भूमिका संदेह के घेरे में

जनपद पंचायत अनूपपुर में पदस्थ एपीओ रविन्द्र आर्या की भूमिका संदेश के दायरे में है। सचिव ने शिकायत पत्र में एपीओ द्वारा हस्ताक्षर करने के लिये दबाव बनाए जाने की बात स्पष्ट रूप से कही है। चूंकि मनरेगा में भुगतान की जिम्मेदारी एपीओ की होती है, ऐसी में भुगतान के बाद बिलो पर सचिव के हस्ताक्षर कराए जाने की बात कहीं न कहीं संदेह पैदा करती है।

सीओ जनपद को मिली जांच

प्रार्थी लल्लूराम केवट के द्वारा जनसुनवाई में आवेदन के माध्यम से उक्त शिकायत की गई है। जिसके पश्चात सीओ जिला पंचायत अनूपपुर द्वारा उक्त शिकायत पत्र पर संज्ञान लेते हुए जांच करने के आदेश सीओ जनपद अनूपपुर को दिए गए हैं। अब यह तो जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिरकार यह फर्जी हस्ताक्षर किसके हैं और इस फर्जीवाड़े के पीछे आखिर किस नटवरलाल का हाँथ है।

ब्रीदिंग टेस्ट के बहाने छुए स्तन

बृजभूषण सिंह के काले कारनामे

पहलवान बनाम बृज भूषण

चार्जशीट से यौन उत्पीड़न के सूक्ष्म विवरणों का खुलासा

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2023 (ए)। दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ अपनी चार्जशीट में दावा किया है कि चाहे भारत हो या विदेश, शक्तिशाली राजनेता ने कई मौकों पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया।

चार्जशीट में 2016 में मंगोलिया के एक होटल के भोजन क्षेत्र में हुई अनुचित यौन संपर्क की एक विशिष्ट घटना पर प्रकाश डाला गया है। दो गवाहों ने पीड़िता के बयान का समर्थन करते हुए पुष्टि की कि उन्होंने सिंह द्वारा किए गए कथित कृत्य को देखा था। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 के तहत। इस प्रकार आरोप पत्र में दावा किया गया है कि सिंह ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 के तहत अपराध किया है, जो किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल से संबंधित है।

पीड़िता, जिसे आरोपपत्र में ग्रेपलर (1) कहा गया है, का आरोप है कि सिंह ने उसे सात अलग-अलग मौकों पर परेशान किया। इसमें पांच अवसरों पर शारीरिक यौन उत्पीड़न और एक अवसर पर यौन उत्पीड़न के मामले शामिल हैं।

आरोपपत्र में इन आरोपों को 6-7 वर्षों की अवधि में उत्पीड़न का एक निरंतर पैटर्न माना गया है, जो सीआरपीसी की धारा 164 के तहत पीड़िता के बयान से समर्थित है। इसमें आगे दावा किया गया है कि यह व्यवहार पीछा करना है, जो आईपीसी की धारा 354डी के तहत अपराध बनता है।

संपादकीय

शहर बाढ़ से कैसे बचें ?

सवाल सिर्फ बाढ़ का पानी भरने का नहीं है, बल्कि हकीकत यह है कि भारी बारिश की स्थिति में भी महानगरों में बाढ़ जैसा नजारा पैदा होता रहा है। मुंबई, चेन्नई, बंगलुरू और अब दिल्ली में भी इस तरह की गंभीर समस्या खड़ी हो चुकी है।

देश की राजधानी का बड़ा हिस्सा पिछले हफ्ते बाढ़ में डूब गया। बारिश हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हुई, जिससे यमुना में पानी आया। उस पानी को हरियाणा में स्थित हथिनीकुंड बराज नहीं संभाल सकता था, तो उसे आगे यमुना में छोड़ दिया गया। नतीजा दिल्ली में ऐसा नजारा देखने को मिला, जो दशकों से कभी नहीं दिखा था। गौरतलब है कि बीते सप्ताह के अंत में मानसून की अत्यधिक भारी शुरुआत के कारण हिमाचल के कई जिलों में एक दिन में ही एक महीने के बराबर बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले समय में भी और भारी बारिश होने का अनुमान है। आशंका जताई है कि ऐसा हुआ तो, इससे पूरे क्षेत्र में सड़कों पर पानी भर जाएगा, ट्रैफिक जाम होगा और बिजली कटौती हो सकती है। उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश के बाद हालात पहले से ही बहुत खराब हैं। गंगा, रावी, चिनाब, ब्यास, सतलुज समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी का परिणाम हुआ कि दिल्ली में यमुना नदी का जल स्तर ऐतिहासिक रूप से काफी बढ़ गया।

दिल्ली के ना सिर्फ निचले इलाके डूब गए, बल्कि कई पॉश इलाकों में भी पानी भर गया। इससे शहरों के मौजूदा ढांचे को लेकर एक बहस खड़ी हो गई है। सवाल सिर्फ बाढ़ का पानी भरने का नहीं है, बल्कि हकीकत यह है कि भारी बारिश की स्थिति में भी महानगरों में बाढ़ जैसा नजारा पैदा होता रहा है। मुंबई, चेन्नई, बंगलुरू और अब दिल्ली में भी इस तरह की गंभीर समस्या खड़ी हो चुकी है। इसका समाधान क्या है? सुझाव दिया गया है कि शहरों और इसके आसपास के इलाकों में जलाशयों के साथ-साथ बांधों को मजबूत बनाकर पानी को नियंत्रित करने के बारे में भी सोचने की जरूरत है, ताकि बाढ़ का पानी घरों के बेसमेंट में पहुंचने से रोका जा सके। ये बांध और जलाशय अचानक होने वाली बारिश के पानी को जमा करने में मददगार साबित होते हैं। लेकिन यह तभी हो सकता है जब नगर किसी योजना के तहत बनें। दुर्भाग्य यह है कि कम-से-कम अपने देश में ऐसा नहीं होता।

भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं भगवान शिव

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

देश में पहली बार घोटालों-घपलों में फंसा पैसा लौटाना शुरू हुआ

सुप्रीम कोर्ट के आदेश कि प्रमाणिक जमाकर्ताओं के वैद्य बकाया के भुगतान पर रिफंड की प्रक्रिया शुरू हुई

घोटालों घपलों में फंसा निवेशकों का पैसा वापस मिलना शुरू होना सराहनीय उपलब्धि है परंतु इन समितियों के जन्म, अनियमितताओं पर लगाम लगाना अति ज़रूरी

वैश्विक स्तरपर आज भारत भले ही डिजिटल, रुतबे साख और वैश्विक मंचों परदबदबा रखने वाला देश बन गया है, परंतु हम अपने बड़े बुजुर्गों सेजानकारी लेंगे तो हम दशकों पूर्व और कुछ अभी किए गए घोटालों घपलों के बारे में विस्तार से जानकारी मिलेगी। मेरे बचपन में बोफोर्स घोटाले के बारे में बहुत सुना था परंतु अभी आज उसकाक्या हुआ? पता नहीं वैसे भी हम पूर्व के कुछ घोटालों घपलों जैसे जीप खरीदी (1948) साइकल आयात (1952) मुद्रा में (1958) तेजा रन (1960) पटनायक मामला (1961) कुओ ऑयल डील (1976) अंतुले ट्रस्ट (1981) एचडी डब्ल्यू दलाली (1987) बोफोर्स (1987) इंडिया बैंक (1992) चारा (1996) सिक्योरिटी स्कैम हर्षद मेहता (1992) मनी लांड्रिंग मधु कोड़ा (2009) तेलगी घोटाला (2006) कोयला घोटाला (2012) वक्फ बोर्ड जमीन घोटाला (2012) सहारा हाउसिंग बैंक घोटाला (2010) तहलका, स्टॉक मार्केट, सत्यम मनी लांड्रिंग, एअरबस, दूरसंचार,य्यूरिया, पीएनपी, 2ज स्पेक्ट्रम, कामनवेल्थ खेल, चावल निर्यात, झारखंड चिकित्सालय, उड़ीसा खदान, मधु कोड़ा खदान, ताज कॉरिडोर सहित करीब 200 घोटालों के नाम हमने पिछले दशकों में ज़रूर सुने होंगे परंतु उनका क्या हुआ पता नहीं है। इस आलेख के रिसर्च में मैंने पाया कि करीब 200 छोटे बड़े घोटाले हुए इस पर मेरा मानना है कि इतने लाख करोड़ के उपरोक्त घोटाले बिना किसी शह-मात के होना असंभव है, जिसकी शुरुआत उस कंपनी, सहकारी समिति संस्था बैंक का जन्म यानी रजिस्ट्रेशन से शुरू होता है और इनकी अनियमितताओं को संबंधित अधिकारियों द्वारा अनदेखा कर नजरें हटाई जाती है, जिससे यह बीज अंकुरित होकर बड़े वटवृक्ष की तरह मजबूत हो जाता है, फिर सरकारों के बदलने से उनकी जड़ों तक पहुंचना शुरू हो जाता है जिसका वर्तमान उदाहरण रेल नौकरी भूमि घोटाला हम देख रहे हैं। चूंकि आज 18 जुलाई 2023 को माननीय केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा माननीय सुप्रीम कोर्ट के सहारा केस में आदेश कि प्रमाणिक जमाकर्ताओं के वैध बकाए के भुगतान पर रिफंड प्रक्रिया की घोषणा की है जो स्वागत योग्य, सराहनीय उपलब्धि है। इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, घपलों घोटालों में फंसा पैसा निवेशकों को वापस मिलना शुरू होना सराहनीय है। परंतु इन समितियों, संस्थाओं के संदेहपस्थ जन्म और अनियमितताओं पर लगाम लगाना अति ज़रूरी है ताकि यह नौबत ही ना आए।

साथियों बात अगर हम दिनांक 17 जुलाई 2023 को माननीय केंद्रीयमंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो उन्होंने कहा कि आज एक बहुत बड़ी शुरुआत हुई है कि देश में पहली बार पीएम के नेतृत्व में पारदर्शिता के साथ निवेशकों का घोटाले में फंसा पैसा वापस मिलना शुरू हो रहा है, ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। आज करोड़ों लोगों को अपने पसीने की गाढ़ी कमाई के पैसे वापस मिलने की शुरूआत हो रही है, लगभग 1.78 करोड़ ऐसे छोटे निवेशकों, जिनका 30 हज़ार रूपए तक का पैसा फंसा है, को अपना पैसा वापस मिलेगा, ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है कि आज लॉन्च हुए पोर्टल के माध्यम से पहले निवेशकों को, जिनकी जमाराशि 10, हज़ार रूपए या इससे अधिक है उसमें से 10, हज़ार रूपए तक की राशि का, भुगतान किया जाएगा। इस पोर्टल पर आवेदन करने के लिए चारों समितियों का पूरा डेटा ऑनलाइन उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में ऐसे सभी प्रावधान किए गए हैं जिससे कहीं भी किसी प्रकार की गड़बड़ी और किसी भी प्रामाणिक निवेशक के साथ अन्याय की गुंजाइश ना हो। भुगतान की पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पेपरलैस है और दावे प्रस्तुत करने के लिए बनाया गया पोर्टल यूज़र फ्रेंडली, कुशल औरपारदर्शी है। केवल प्रामाणिक जमाकर्ताओं की वैध राशि लौटाने को सुनिश्चित करने के लिए पोर्टल में ज़रूरी प्रावधान किए गए हैं। पोर्टल को सहकारिता मंत्रालय की वेबसाइट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। इन समितियों के प्रामाणिक जमाकर्ताओं को पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन आवेदन पत्र को ज़रूरी दस्तावेज़ों के साथ अपलोड कर अपने दावे प्रस्तुत करने होंगे। उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए जमाकर्ताओं का आधार कार्ड के ज़रिए सत्यापन किया जाएगा। उनके दावों और अपलोड किए गए दस्तावेजों के सत्यापन के लिए नियुक्त सोसायटी, ऑडिटर्स, और ओएसडी द्वारा सत्यापन के बाद उपलब्धता के अनुसार धनराशि, जमाकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन दावे पेश करने के 45 दिनों के अंदर सीधे उनके आधार से जुड़े बैंक खाते में ट्रांस्फर कर दी जाएगी और उन्हें एसएमएस/पोर्टल के माध्यम से इसकी सूचना दे दी जाएगी।समितियों के प्रामाणिक जमाकर्ताओंको येसुनिश्चित करना होगा कि उनके पास आधार-लिंक्ड मोबाइल नंबर और बैंक खाता है।

साथियों बात अगर हम इस घोटाले के पैसे वापस करने की सोच की करें तो, केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि कई बार घपले-घोटाले के आरोप लगते हैं और जो लोग इनमें निवेश करते हैं, उनकी पूंजी फंस जाती है, जैसे सहारा का उदाहरण सबके सामने है, कि कई सालों तक सुप्रीम कोर्ट में केस चला, ऐजेंसियों ने इनकी संपत्तियां और खाते सील कर दिए, और, ऐसा होने पर कोऑपरेटिव सोसायटीज़ की विश्वसनीयता समाप्त हो जाती है। पीएम ने अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया और उसके बाद इस मामले में पहल करते हुए सभी स्टेकहोल्डर्स को बिठाकर बात की गई। उन्होंने कहा कि इस बात पर विचार किया गया कि क्या कोई ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जिसमें सभी लोग अपने दावों से ऊपर उठकर छोटे निवेशकों के बारे में सोचें। सभी ऐजेंसियों ने मिलकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायरकी और उच्चतम न्यायालय ने एकऐतिहासिक फैसला दिया कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति का गठन कर उनके निर्देशन में पारदर्शी तरीके से भुगतान की प्रक्रिया शुरू हो। उन्होंने कहा कि ट्रायल बेसिस पर पारदर्शी तरीके से आज निवेशकों को 5, हज़ार करोड़ रूपए की राशि लौटाने की शुरूआत हो रही है।जब 5, हज़ार करोड़ रूपए का भुगतान हो जाएगा तब बाकी बचे निवेशकों की राशि लौटाने के लिए एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी।

साथियों बात अगर हम इस रिफंड मामले के न्यायिक पहलू को देखे तो, माननीय उच्चतम न्यायालय ने 29 मार्च,2023 के अपने आदेश में निर्देश दिया था कि सहारा समूह की सहकारी समितियों के प्रामाणिक जमाकर्ताओं के वैध बकाए के भुगतान के लिए सहारा-सेबी रिफंड खाते से 5 हज़ार करोड़ रुपये सहकारी समितियों के केन्द्रीय रजिस्ट्रार (सीआरसीएस) को हस्तांतरित किए जाएं। भुगतान की पूरी प्रक्रिया की निगरानी और इसका पर्यवेक्षण माननीयसर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार माननीय सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति कर रहे हैं जिसमें उनकी सहायता के लिए वकील को नियुक्त किया गया है।इन चारों समितियों से संबंधित रिफंड प्रक्रिया में सहायता के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों को ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के रूप में नियुक्त किया गया है।

साथियों बात अगर हम इस रिफंड की प्रक्रिया और अवधि की करें तो (1) सहारा के डिपॉजिटर्स को वापस पाने के लिए माय गव इस वेबसाइट पर क्लिक करे।(2) सबसे पहले निवेशकों को सहारा रिफंड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा(3)सहारा में पैसा जमा करने का दावा करने वालों डिपॉजिटर्स की सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए आईएफसीआई की एक सहायक कंपनी ने पोर्टल विकसित किया है।(4)सहारा रिफंड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और रिफंड वापस पाने के लिए निवेशक के पास मोबाइल फोन नंबर और आधार होना जरुरी है। इस रिफंड पोर्टल के जरिए उन निवेशकों के रकम वापस मिलेगी, जिनके निवेश की मैच्योरिटी पूरी हो चुकी है।इस पोर्टल पर निवेशक अपना नाम दर्ज कराएंगे वेरिफिकेशन के बाद उनके रकम वापसी की प्रक्रिया शुरू होगी। निवेशकों के दस्तावेज सहारा समूह की समितियों द्वारा 30 दिन के भीतर वेरिफाई किए जाएंगे।इसके बाद ऑनलाइन क्लेम दर्ज करने के 15 दिन के भीतर एसएमएस के जरिए निवेशकों को सूचित कर दिया जाएगा. इसके बाद बैंक खाते में निवेश की रकम आ जाएगी, याने इस प्रोसेस में कम से कम 45 दिन लगेंगे, इसके बाद ही निवेशकों के पैसे वापस मिलेंगे।

साथियों रिफंड पोर्टल के लॉन्च होने से सहारा में निवेश करने वाले 10 करोड़ निवेशकों बड़ी खुशी मिली है। जिन निवेशकों ने सहारा में पैसा निवेश किया है, उन्हें सबसे पहले ये चेक करना होगा कि उनका पैसा किस कॉ कोऑपरेटिव में लगा है, फिर उससे जुड़े अपने सारे दस्तावेज जुटाने होंगे। सरकार ने 29 मार्च 2023 को घोषणा की थी कि चारों सहकारी समितियों में जमा 10 करोड़ निवेशकों का पैसा 9 महीने के अंदर वापस किया जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि पांच हजार करोड़ रुपये जमाकर्ताओं को दिए जाने के बाद हम उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और उनसे अधिक धनराशि जारी करने का अनुरोध करेंगे, ताकि बड़ी राशि वाले अन्य जमाकर्ताओं का पूरा धन वापस किया जा सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि देश में पहली बार घोटालों घपलों में फंसा पैसा लौटाना शुरू हुआ।सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रमाणिक जमाकर्ताओं के वैद्य बकाया के भुगतान पर रिफंड की प्रक्रिया शुरू हुई।घोटालों घपलों में फंसा निवेशकों का पैसा वापस मिलना शुरू होना सराहनीय उपलब्धि है परंतु इन समितियों के जन्म, अनियमितताओं पर लगाम लगाना अति ज़रूरी है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

सोनिया गांधी क्या सूत्रधार बनेंगी ?

पटना में 23 जून को हुई विपक्षी पार्टियों की बैठक के बाद से देश की राजनीति में ऐसा क्या हुआ है, जिसकी वजह से विपक्षी पार्टियों की बेंगलुरू बैठक में पूरा फोकस सोनिया गांधी पर शिफ्ट हो गया है? पटना की बैठक में पूरा फोकस राहुल गांधी पर था। उनके विदेश में होने की वजह से पटना बैठक की तारीख टली थी। जब वे लौटे उसके बाद उनकी मौजूदगी में बैठक हुई। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में राजद नेता लालू प्रसाद ने उनको शादी का जिक्र छेड़ कर एक तरह से उनको विपक्षी पार्टियों की बारात का दूल्हा बनाने का दांव भी चला। लेकिन उसके बाद जब बेंगलुरू की बैठक तय हुई तो सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर हुई कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आठ नई पार्टियों को न्योता दिया है और दूसरी बात यह कि बैठक में सोनिया गांधी भी शामिल होंगी। सोनिया ने बैठक के पहले दिन यानी 17 जुलाई को विपक्षी नेताओं के लिए एक रात्रिभोज की मेजबानी भी की। कांग्रेस और विपक्ष की दूसरी पार्टियों में भी इस बात को लेकर उत्साह है कि सोनिया गांधी विपक्ष को एक करने के अभियान में सक्रिय हुई हैं। ध्यान रहे 2004 में विपक्ष को एकजुट करके यूपीए बनाने का प्रयोग सोनिया ने किया था इसलिए विपक्षी नेताओं की उम्मीद बढ़ी है कि इस बार भी वे ऐसा कर सकती हैं।

तभी सवाल है कि जो काम राहुल गांधी कर रहे थे उस काम में सोनिया गांधी को आगे आने की क्या जरूरत आन पड़ी? इसे समझने के लिए 23 जून के बाद के राजनीतिक घटनाक्रम को बारीकी से देखना होगा। सबसे बड़ा घटनाक्रम यह था कि शरद पवार की एनसीपी में टूट हो गई। उनके भतीजे अजित पवार उनसे अलग हो गए और राज्य की भाजपा-शिव सेना सरकार में उप मुख्यमंत्री बन गए। उनके साथ 30 से ज्यादा विधायक होने की बात कही जा रही है। यह अलग बहस का विषय है कि पार्टी में यह विभाजन शरद पवार के किसी लंबे खेल का हिस्सा है या सचमुच की परिघटना है। लेकिन जब एनसीपी टूटी तो कहा गया कि पार्टी के अनेक नेता इस बात से नाराज थे कि विपक्षी गठबंधन के नेता राहुल गांधी कैसे हो सकते हैं। वे नहीं चाहते कि शरद पवार जैसा बड़ा नेता राहुल के नेतृत्व में काम करे। इससे पहले कांग्रेस छोड़ने वाले तमाम नेताओं ने राहुल को निशाना बनाया था और मीडिया में यह नैरेटिव बना था कि हिमंत बिस्वा सरमा हों या ज्योतिरादित्य सिंधिया हों या गुलाम नबी आजाद, सबने राहुल के कारण कांग्रेस छोड़ी। अब सहयोगी पार्टियों में भी विभाजन के लिए राहुल को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इसका मकसद राहुल के नेतृत्व और विपक्ष की राजनीति में उनकी ऑथोरिटी को कमजोर करके दिखाना है।

दूसरा घटनाक्रम यह हुआ कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हैदराबाद जाकर भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। अखिलेश ने यह संदेश दिया कि वे भले पटना की बैठक में शामिल हुए लेकिन उन्होंने गैर कांग्रेस और गैर भाजपा तीसरे मोर्चे की संभावना को समाप्त नहीं किया है। तीसरा घटनाक्रम पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का विवाद है। इन सबकी पृष्ठभूमि में देखें तो ऐसा प्रतीत होगा कि विपक्षी पार्टियों के कुछ मजबूत क्षत्रप नेता कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व के साथ बहुत सहज नहीं हैं। सोनिया गांधी ने इस बात को भांप लिया है और इसलिए उन्होंने आगे बढ़ कर विपक्षी एकता का सूत्रधार बनने की पहल की है। हालांकि उनकी सेहत को देखते हुए यह संभव नहीं है कि वे ज्यादा भागदौड़ कर सकें या हर छोटे बड़े पहलू पर नजर रखें। लेकिन इतना निश्चित है कि वे बेंगलुरू की बैठक में सभी विपक्षी पार्टियों के आहत अहम को संतुष्ट करने की कोशिश करें। उन्हें बताएं कि कांग्रेस राहुल का नेतृत्व उनके ऊपर नहीं थोप रही है। वे यह भरोसा भी दे सकती हैं कि विपक्षी नेताओं को अभी से नेतृत्व की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आखिर कांग्रेस का इतिहास छोटी पार्टियों की सरकार बनवाने का रहा है। चंद्रशेखर से लेकर एचडी देवगौड़ा और आईके गुजराल तक इसकी मिसाल हैं।

इसमें संदेह नहीं है कि पिछले 20 साल में देश की राजनीति बहुत बदल गई है। नेता बदल गए हैं और नैरेटिव भी बदल गया है। लेकिन एक चीज ऐसी है, जो कभी नहीं बदलती है। वह हर नेता की सत्ता में आने की चाहना है। सो, कांग्रेस या राहुल गांधी से लगाव नहीं होने के बावजूद अगर विपक्षी नेताओं को लगता है कि उसकी धुरी पर एक साथ आकर भाजपा और नरेंद्र मोदी को चुनौती दी जा सकती है और सत्ता हासिल की जा सकती है तो वे अपने निजी अहम को थोड़े समय के लिए किनारे रख सकते हैं। सो, कांग्रेस के लिए जरूरी है कि वह विपक्षी नेताओं के बीच यह भरोसा बनवाए कि भले वह पहले से कमजोर हो गई है लेकिन अब भी भाजपा को चुनौती देने की वास्तविक ताकत उसी के पास है। सोनिया गांधी यह मैसेज बनवा सकती हैं। उन्होंने 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद सिर्फ यूपीए नहीं बनवाई थी, बल्कि उससे पहले अजेय माने जा रहे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को हराया था। भाजपा को हरा कर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी थी तभी उसके नेतृत्व में यूपीए बना था। उसके बाद 2009 में जब लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना कर भाजपा लड़ी थी तब कांग्रेस ज्यादा सीटों के साथ दोबारा सत्ता में लौटी थी। यानी सोनिया गांधी को भाजपा के दो सबसे बड़े नेता नेताओं- अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी दोनों को हराने का श्रेय हासिल है।

सोनिया गांधी के साथ 2004 में काम करने वाली टीम के कई सदस्य अब उनके साथ नहीं हैं। अहमद पटेल, माखनलाल फोतेदार, ऑस्कर फर्नांडीज जैसे कई नेताओं का निधन हो गया तो गुलाम नबी आजाद जैसे नेता पार्टी छोड़ गए। जनार्दन द्विवेदी ने अपने को सक्रिय राजनीति से दूर कर लिया है। इसके बावजूद कई पुराने नेता और क्षत्रप अब भी सोनिया के साथ हैं और उन्हें अपना सर्वोच्च नेता मानते हैं।

अजीत द्विवेदी

ऐसा वक्त पृथ्वी के जीवन में पहले नहीं ?

हम सभी एक नाव पर सवार हैं। यूरोप, अमरीका, भारत और चीन ङ्क सभी एक साथ बेइंतहा पसीना बहा रहे हैं। विडंबना है कि धरती के इतना ज्यादा गर्म होने के लिए बहुत हद तक हम खुद ही जिम्मेदार भी हैं।दुनिया को इस साल वसंत का अहसास ही नहीं हुआ! अप्रैल में हमें लू के थपेड़े झेलने पड़े। अल्जीरिया, मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन में तापमान सामान्य से कहीं ज्यादा है। इस बीच, समय से पहले आई बरसात ने भारत में आम के मौसम में खलल डाली। जहां दूसरी जगहों जुलाई गर्म है वहीं हमारे यहाँ गर्मी और उमस दोनों हैं जो कि एक जानलेवा जुगलबंदी है।

इतना ही नहीं भविष्यवाणी है कि हर दिन, पिछले दिन से ज्यादा गर्म होगा। टेक्सास से लेकर ग्रीस तक रेड अलर्ट है; क्रोएशिया, एड्रियाटिक तट और स्पेन के नवारा के जंगलों में आग लगी हुई है। पर्यटन स्थल बंद कर दिए गए हैं क्योंकि तापमान 40 डिग्री के ऊपर चला गया है। बहुत अधिक तापमान के कारण सड़कें पिघल रही हैं, रेल पटरियां ऐंठ रही हैं और खुले में काम करना खतरे से खाली नहीं है। वियतनाम में किसान खेतों में काम करने के लिए सुबह तीन बजे सोकर उठ रहे हैं।

कोई संदेह नहीं कि हमने अपने जीवन में कभी इतनी झुलसाने वाली गर्मी नहीं देखी। विश्व जलवायु संगठन (डब्लूएमओ) ने पिछले हफ्ते बताया कि 1850 के दशक में टेम्परेचर नापने के उपकरणों का उपयोग प्रारंभ होने के बाद से धरती पर भी कभी ऐसा नहीं देखा गया। डब्लूएमओ के जलवायु सेवाओं के निदेशक प्रोफेसर क्रिस्टोफर हेविट ने कहा, "हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे हम पहले कभी नहीं गुज़रे और यह हमारी पृथ्वी के लिए एक चिंता पैदा करने वाली खबर है।÷ वैज्ञानिक अब बिना झिझके कह रहे हैं कि अब से लेकर हर आने वाला साल और घातक रूप से गर्म होगा। यह चेतावनी भी दी जा रही है कि इस साल या अगले साल दुनिया का तापमान 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की उस सीमा को पार कर लेगा जो आईपीसीसी द्वारा ग्लोबल वार्मिंग की अपर लिमिट बतौर तय किया गया था।

इसलिए सरकारों और वैज्ञानिकों के सामने न सिर्फ धरती के और गर्म होने को रोकने की चुनौती है बल्कि लोगों को ठंडा रखने की चुनौती भी है। दुनिया के कई इलाकों में गर्मी का मुकाबला करने के साधन हैं ही नहीं क्योंकि वहां के लोगों ने आज तक कभी इसका सामना किया ही नहीं। अध्ययनों के अनुसार जिन जगहों पर झुलसाने वाली गर्मी होने का ज्यादा खतरा है उनमें अफगानिस्तान, पापुआ न्यू गिनी और मध्य अमेरिका शामिल हैं। इन इलाकों में तापमान का रिकार्ड टूटने की स्थिति बन सकती है और संभव है कि स्थानीय समुदाय इस हालात का मुकाबला करने में सक्षम ही न हों। इसी तरह, यूरोप एक ऐसा महाद्वीप है जहां मकान की डिजाईन में सदियों से कोई बदलाव नहीं आया है जबकि वहां के लोगों को अब अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में गर्मी के भीषण प्रकोप का सामना करना पड़ रहा है। यह महाद्वीप हर साल दुनिया के औसत से कहीं अधिक तेजी से गर्म हो रहा है। हर साल इसका मुकाबला करने में और अक्षम होता जा रहा है। मुझे याद है कि जब मैं स्काटलैंड में रहती थी तब भी गर्मी का मौसम गर्म होता था (हालाँकि आज की तुलना में बहुत कम) और घरों में इसका मुकाबला करने का एकमात्र साधन टेबिल फैन हुआ करता था। विशेषज्ञों का कहना है यूरोपीय देशों की सरकारें करीब 20 साल पहले बजी खतरे की घंटी पर ध्यान में असफल रहीं जब सन् 2003 (जो महाद्वीप का सबसे गर्म साल था) की ग्रीष्म लहर में कुछ अनुमानों के अनुसार करीब 70,000 लोगों की मौत हुई थी। इसी सप्ताह प्रकाशित एक रपट के अनुसार पिछले साल गर्मियों में यूरोप में हुई 61,000 मौतों के लिए झुलसाने वाली गर्मी को जिम्मेदार माना जा सकता है। इस साल भी दुबारा यही विपदा आएगी। दक्षिण यूरोप के कुछ हिस्सों में मई से ही हीट वेव शुरू हो गई। सबसे ताजी ग्रीष्म लहर ङ्क जिसे अंडरवर्ल्ड के दरवाजों पर पहरा देने वाले कई सिरों वाले कुत्ते के नाम पर केरबेरस नाम दिया गया था दौरान फ्लोरेंस, रोम और सर्डेनिया और सिसली के कुछ हिस्सों में इस हफ्ते तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा हो गया था। आने वाले हफ्तों में यह 48 डिग्री तक पहुंच सकता है। हम भारतीय हमेशा से गर्मी का सामना करते रहे हैं और उसका मुकाबला करना जानते हैं। लेकिन अब समय बदल गया है। कूलर, एसी, आईस्क्रीम, आम का पना, घर से न निकलना, शार्ट्स और सूती कपड़े सिर्फ अस्थायी राहत देने वाली चीजें हैं। ज्यादा बड़ी चुनौती है कार्बन उर्त्सजन के लक्ष्य को हासिल करना।

यूरोप को प्रकोप का सामना करना पड़ रहा है। सन् 2003 की झुलसा देने वाली गर्मी के बाद से यूरोप के देशों की सरकारों ने राष्ट्रीय अनुकूलन (एडाप्टेशन) स्ट्रेटेजी लागू कीं। गर्मी की चेतावनी और उसके लिए नागरिकों को दिशानिर्देश जारी करने शुरू किये। लेकिन वे भी कार्बन एमिशन के लक्ष्यों को हासिल करने में लगातार असफल रहे जिसका उद्देश्य क्लाइमेट चेंज की गति को धीमा करना था। ना ही उन्होंने इसके लिए उठाए जाने वाले ठोस कदमों में निवेश किया। लक्ष्य को प्राप्त न कर पाने के साथ-साथ वे अपने शहरों में बदलाव लाने में भी असफल रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि सभी क्षेत्रों में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है। इनमें परिवहन से लेकर स्वास्थ्य और कृषि से लेकर उत्पादकता तक सब शामिल है। इसके लिए बहुत बड़ी रकम का निवेश करना ही होगा। पर दुविधा भी है। कार्बन एमिशन घटाने के लिए वैकल्पिक साधनों में निवेश की जरूरत है लेकिन परंपरागत रेनासां शैली के भवनों और शहरों में बदलाव के लिए भी रकम की जरूरत होगी। और ऐसा भी नहीं है कि अकेला यूरोप ही समस्या से जूझ रहा है। भूमध्य सागर के आसपास के देश, मध्य पूर्व और एशिया गर्मी के आदी हैं लेकिन उनके लिए भी गर्मी असहनीय होती जा रही है।तभी आने वाले सालों में मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं।

श्रुति व्यास

हे महादेव,हे महाकाल

हे महादेव,हे महाकाल
हे नीलकंठ,हे हलाहल।
हे अवघट दानी,हे भोलेनाथ
हे त्रिपुरारी,हे नन्दीश्वर नाथ।
हे भूतनाथ जी,हे भूतेश्वर
हे रामेश्वर जी,हे कुलेश्वर।
हे गौरीनाथ जी हे नटराजन
हे केदारनाथ,हे भूतभावन।
हे त्रिशूलधारी,हे डमरुधारी
हे गंगाधर,हे बागम्भर धारी।
हे जटाधर जी,हे विषधारी
हे ध्यान-धारी,हे सर्प हारी।
हे रामभक्त,हे दशाननपति
हे गणेश पिता,हे गौरीपति।
हे शनि गुरु,हे नाथों के नाथ
हे बम-बम भोले,हे दीनानाथ।
हे अमरेश्वर जी,हे नर्मदेश्वर
हे कैलाशनाथ,हे असुरेश्वर।
हे काशीनाथ,हे देवाधिदेव
हे महाशिव जी,हे महादेव।
हे महाकालेश्वर है तेरा नाम
हे हर-हर महादेव,तुझे प्रणाम।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण छत्तीसगढ़

सावन की झड़ी

रिमझिम बारिश की ये बूँदें,
धरती पर आती।
नयी कोपलें विकसित होतीं,
रहती हरियाली।
कल कल करती नदिया बहती,
होकर मतवाली।
झड़ी लगी है ये सावन की,
बौछारें लाती।।
भोर सूर्य से फैली लाली,
छँटती अँधियारी।
स्वर्ण चमक ये निर्मल जल की,
लगती कितनी प्यारी।
ठंडी ठंडी सी पुरवाई,
हमें गुदगुदाती।।
कली पुष्प की खिलने लगती,
रमणीक बगीचे।
मिट्टी की वो सौंधी सौंधी,
क्यारी के नीचे।
इन अनुपम मोहक फूलों से
मस्त महक आती।।
नमन करूँ ये दृश्य देखकर,
मुझे मिला जीवन।
देख धरा अनुराग बढ़ा है,
धन्य हुआ तन मन।
इक दूजे का साथ निभाना,
यह हमें सिखाती।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

औरत

जिसने जन्म दिया उसका मान नही है
क्या? ममता की कंही सम्मान नही है
जिस्म के लिए यह कैसे व्याभिचारी है
औरत को औरत होने की लाचारी है
खूब लगाते नारीवाद के नारे सभी
क्या सम्मान दे पाये नर उन्हें अभी
क्या? वो जीने के अधिकारी नही है
औरत को औरत होने की लाचारी है
समता का जब उनको अधिकार है
क्यों रखते उनके प्रति दुर्व्यवहार है
घात लगाकर बैठे क्यों शिकारी है
औरत को औरत होने की लाचारी है
क्यों उनको सब अधिकार देते नही
बराबर का अधिकार क्यों देते नही
क्यों कहलाई जा रही वह बेचारी है
औरत को औरत होने की लाचारी है
अब सम्मान और समता से जीये
क्यो जीवन भर वह विष को पिये
स्वाभिमान से जीने के अधिकारी है
समता,स्वभिमान के वो अधिकारी है

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

त्रिलोचन महादेव

जौनपुर में एक मंदिर न्यारा।
भक्तों को लगता है प्यारा।
स्वयं महादेव प्रकट भरे हुए यहां।
क्षण क्षण शिवलिंग बड़े जहां।
मंदिर सामने कुंड विराजे।
जिसका जल कभी न सूखे।
जो इस जल में स्नान है करता।
चर्म रोग से दूर ही हता।
चोर यहां आ के घबराए।
चोरी करके खूब पछतावे।
दो ग्रामों में जब हुई लड़ाई।
दोनों बोले मंदिर मेरे गांव का भाई।
पंचायत कर कर जब सब हारे।
छोड़े महादेव पे न्याय सारे।
महादेव ने न्याय दिया है।
एक तरफ शिवलिंग झुका है।
जो श्रद्धा से करता दर्शन।
हो अभिलाषा पूर्ण प्रसन्न मन।

प्रेमा पटेल
वाराणसी उत्तरप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

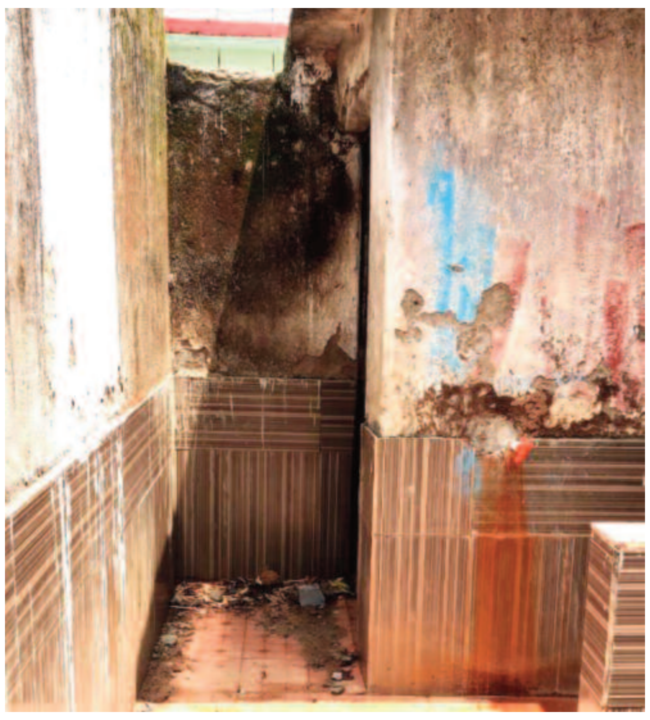

खलीबा हायर सेकेंडरी स्कूल की व्यवस्था चरमराने से छात्रों को हो रही परेशानी

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिले में स्थित ग्राम खलीबा हायर सेकेंडरी स्कूल की व्यवस्था चरमराने से छात्रों को अध्ययन करने में समस्या हो रही है। विद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों को कई प्रकार के समस्या से जूझना पड़ रहा है। वहां वाणिज्य विषय के शिक्षकों की कमी के कारण विषय के इच्छुक छात्रों को नया प्रवेश भी नहीं मिल पा रहा। भवन में कक्षाओं की कमी से वहां के लैब व कॉरिडोर में कक्षाएं संचालित हो रही हैं। जिससे की छात्र ठीक तरह से अध्ययन भी नहीं कर पा रहे हैं। इसी के साथ वहां छात्रों की मूलभूत आवश्यकताएं भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। छात्र स्वच्छ एवं साफ-सुथरे वातावरण में अध्ययन अच्छे से कर सकते हैं परंतु वहां शौचालय की स्थिति दुरुस्त नहीं होने के साथ पेयजल की ठीक व्यवस्था भी नहीं है। जिससे कई प्रकार की बीमारियों के फैलने का भी खतरा बना रहता है। विद्यालय में एहम समस्या बाहरी व्यक्तियों के कारण भी उत्पन्न हो रही है। विद्यालय के खस्ता हालत के पीछे कुछ असामाजिक तत्वों का विद्यालय में आवागमन भी है। शाम-रात को कुछ लोगों द्वारा विद्यालय में तोड़-फोड़ किया जाता है पेयजल की सुविधा के लिए लगाए गया नल, छात्रों के खेलने की सामग्री विद्यालय के अंदर का टाइल्स एवं वहां के खेलने के मैदान से लेकर विद्यालय के मंच को भी कुछ लोगों द्वारा तोड़ दिया गया है।अतः इस गंभीर समस्या को देखते हुए गैर राजनीतिक दल आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में एवं संघ छात्र मोर्चा अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता की उपस्थिति में संघ सदस्यों एवं पदाधिकारियों के द्वारा विद्यालय की स्थिति को सुधारने के साथ वहां असामाजिक तत्वों का विद्यालय में प्रवेश पर पूर्णतः प्रतिबन्धित करने हेतु पेट्रोलिंग करवाने की ज्ञापन द्वारा मांग की गई। जिसपर उचित आश्वासन देते हुए कलेक्टर द्वारा जल्द सुधारने की बात कही गयी। इस दौरान संघ के शुभम पटेल, प्रतीक गुप्ता, आदि सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से घायल महिला की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
ऑटो से उतरकर घर जा रही महिला को बाइक ने टक्कर मार दी। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बिलसिया पति मोहन सिंह उम्र 43 ग्राम नरेशपुर थाना भैयाथान की रहने वाली थी। वह 10 जुलाई को सूरजपुर गई थी। ऑटो से उतरकर वह सडक़ पारकर कर रही थी। तभी बाइक ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। परिजन उसे इलाज के लिए भैयाथान अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

विभिन्न भर्ती परीक्षाओं का आरोप लगाकर अभाविप ने कलेक्टोरेट का किया घेराव

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कई तरह की अनियमितताओं को लेकर अभाविप ने बुधवार को कलेक्टोरेट का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। अभाविप ने आरोप लगाया है कि प्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करते हुए कुछ व्यक्तियों द्वारा फर्जी जाती प्रमाण पत्र बनवाकर भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से चयनित हो रहे हैं। मंगलवार को फर्जी प्रमाण पत्रों के विषय कोलेकर रायपुर में युवाओं ने नग्न प्रदर्शन किया जो प्रदेश को शर्मसार करने वाला है। यह प्रदर्शन वर्तमान सरकार की भ्रष्ट व्यवस्थाओं का चरित्र को उजागर करती है। उक्त घटना कोलेकर बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर नगर द्वारा आंदोलन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान नगर मंत्री यशराज सिंह ने कहा कि फर्जी प्रमाणपत्र धारकों एवं जिम्मेदार के ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए युवाओं को रिहा करने की मांग की है। इस दौरान सरगुजा विभाग संगठन मंत्री एव राष्टीय कार्यकारिणी सदस्य दीपक गुप्ता, कोरिया विभाग संयोजक निलेश नाविक, जिला संयोजक उज्जवल तिवारी, अविनाश मंडल, रॉनी मिश्रा, गोपाल सिंह, सिद्धार्थ शर्मा, कैप खान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ सूरजपुर पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

भारी मात्रा में नशीली दवाईयों सहित 2 गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
पुलिस महानिरीक्षक,सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में बीते दिन थाना झिलमिली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि 2 व्यक्ति मोटर सायकल में भारी मात्रा में नशीली दवाई लेकर बिक्री करने ओड़गी से भैयाथान की ओर जा रहे है।

थाना झिलमिली पुलिस ने सूचना के आधार पर फौरन कार्यवाही करते हुए ग्राम करकोटी में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित सोहेल खान पिता मोहम्मद अशराफुल खान उम्र 21 वर्ष एवं शाहरूख रजा पिता रियाजुद्दीन खान उम्र 25 वर्ष निवासी मस्जिदपारा, सूरजपुर को पकड़ा जिनके कब्जे से एविल इंजेक्शन 150 नग, नशीली टेबलेट 3300 नग, एम्पुल 100 नग जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रूपये है। मामले में नशीली इंजेक्शन-टेबलेट, परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर धारा 21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली राजेन्द्र साहू, एएसआई ललित तिर्की, प्रधान आरक्षक हेमन्त सोनवानी, सुखनंदन सिंह श्याम, आरक्षक हेमंत सिंह, राकेश सिंह, भिमेश आर्मो, चंद्रदेव मरावी, नोबिन लकड़ा, रामदयाल राठिया, सैनिक अनिल विश्वकर्मा व राकेश सिंह सक्रिय रहे।

वहीं दूसरे मामले में थाना रामानुजनगर पुलिस ने बीते दिन मुखबीर की सूचना पर ग्राम डगमला में घेराबंदी कर समीर अंसारी उर्फ लाल पिता स्व. शाह मोहम्मद उम्र 33 वर्ष निवासी कल्याणपुर, थाना सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से नशीली इंजेक्शन 7 नग जप्त किया गया। पूछताछ पर उसने बताया कि ग्राम उमापुर निवासी राजू साहू से नशीली इंजेक्शन खरीदा है। जिसके बाद पुलिस ने राजू साहू पिता दिलेश्वर प्रसाद उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम उमापुर, थाना रामानुजनगर को दबिश देकर पकड़ा। मामले में धारा 21(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर प्रकाश राठौर, एसआई सरफराज फिरदौसी, प्रधान आरक्षक सुशील तिवारी, आरक्षक अमलेश्वर सिंह, दीपक यादव व महेन्द्र सिंह सक्रिय रहे।

कीटनाशक सेवन कर युवक ने दी जान

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
. एक युवक अज्ञात कारण से कीटनाशक का सेवन कर लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बसंत राम पिता स्व. शोभनाथ उम्र 35 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह 17 जुलाई की रात को घर में ही थी। अचानक वह घर के बाहर निकला और पांच मिनट बाद वापस आकर पत्नी को बताया कि मैं कीटनाशक सेवन कर लिया हूं। महिला मामले की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए लुण्ड्रा अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

छात्राओं के बीच पुलिस के प्रति बने भय को दूर करने कराया गया कोतवाली भ्रमण

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
विजन समाज सेवी संस्था एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय कन्या उच्चतर विद्यालय की छात्राओं का पुलिस हमारी मित्र कार्यक्रम के तहत कोतवाली थाने का भ्रमण कराया गया। विजन समाज सेवी संस्था की निर्देशिका शिल्पा पांडेय ने बताया कि कोतवाली भ्रमण का उद्देश्य किशोर बच्चों के मन में पुलिस तथा थाने को लेकर जो भय व्याप्त है उसे दूर करना था। सामान्य तौर पर बच्चे पुलिस तथा थाने को डरावनी जगह मानते हैं। भ्रमण का उद्देश्य बच्चों के मन में पुलिस के प्रति सद्भावना उत्पन्न करना तथा विश्वास उत्पन्न करना है। नगर पुलिस अधीक्षक स्मृति राजनाला ने कहा कि यह प्रयास समाज को एक नई दिशा देने वाला है। बालिकाओं को थाना भ्रमण को लेकर सभी थानों से महिला पुलिस स्टाफ बुलाया गया था। कोतवाली में अपराधियों पर कैसे कार्रवाई व विवेचना की जाती है बताया गया। महिला कैदी गृह तथा पुरुष कैदी गृह का भी भ्रमण कराया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों के मन में पुलिस के प्रति सम्मान का होना बहुत जरूरी है। उक्त कार्यक्रम में गर्ल्स स्कूल के प्रिंसिपल आरएल मिश्रा, व्याख्याता सुनीता दास, विजन समाज सेवी संस्था के सदस्य उपस्थित थे। भ्रमण कार्यक्रम में लगभग 5 सौ से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

चोरी के 2 आरोपियों को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
स्थानीय लंकापारा निवासी गौरव महलवाला ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 09.02.23 को अपने परिजन के साथ घर से बाहर गया था घर में कामवाली बाई ज्ञानमति उर्फ सपना थी जब वापस आकर कमरे में गया तो देखा कि आलमारी में रखा 4 नग सोने की अंगूठी एवं 50 हजार रूपये नगदी नहीं था, कामवाली बाई पर चोरी का संदेह व्यक्त किया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 381 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने मामले का जल्द खुलासा करने के निर्देश थाना प्रभारी सूरजपुर को दिए। थाना सूरजपुर पुलिस ने विवेचना के दौरान संदेही ज्ञानमति को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि प्रार्थी के घर के आलमारी से 4 नग सोने की अंगूठी एवं 50 हजार रूपये नगदी की चोरी कर अपने पति अमर सिंह को दी है। जिसके बाद पुलिस ने अमर सिंह को पकड़ा, पूछताछ पर उसने 50 हजार रूपये में से 30 हजार रूपये की स्कूटी खरीदना और 20 हजार रूपये को खर्च कर देना बताया। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी का 4 नग सोने की अंगूठी, 1 नग स्कूटी कीमत 70 हजार रूपये का जप्त कर आरोपी ज्ञानमति उर्फ सतना राजवाड़े पति अमर सिंह उम्र 29 वर्ष, अमर सिंह उर्फ अमर देवांगन पिता भीमप्रकाश उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम नेवरा, थाना सूरजपुर को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एसआई सुनीता भारद्वाज, प्रधान आरक्षक मोहम्मद तालिब शेख, अदीप प्रताप सिंह, आरक्षक लक्ष्मीनारायण मिर्रे, राम कुमार नायक, राधेश्याम साहू, महिला आरक्षक चिंता पैकरा सक्रिय रहे।

सिंचाई करने के दौरान किसान आया करंट की चपेट में, मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। .
लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जजगा में बुधवार की शाम करेंट की चपेट में आने से 38 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह सिंचाई करने के लिए कुंआ में पंप लगाकर विद्युत कनेक्शन कर रहा था। इस दौरान बिजली नहीं थी। कनेक्शन के दौरान अचानक बिजली आ गई और वह करेंट की चपेट में आ गया था।
जानकारी के मुताबिक सम्बर दास पिता स्व. प्रकाश दास उम्र 38 वर्ष ग्राम जजगा थाना लखनपुर का रहने वाला था। वह बुधवार की शाम को घर के पास बाड़ी में स्थित कुएं में मोटर लगाकर सिंचाई कर रहा था। बिजली गुल होने पर वह तार को निकाल रहा था। तभी अचानक बिजली आ गई और वह करंट की चपेट में आ जाने से झुलस गया। लगभग आधे घंटे तक घायल अवस्था में अचेत कुआं के पास पड़ा रहा। परिवार वालों को जानकारी होने पर तत्काल उसे उपचार के लिए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विधानसभा चुनाव से पहले थाना प्रभारियों का हुआ तबादला

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक सरगुजा सुनील कुमार शर्मा द्वारा विधानसभा चुनाव के पूर्व पुलिसिंग में कसावट लाने के लिए रक्षित केंद्र में बैठे पांच निरीक्षकों को विभिन्न थाने की कमान सौंपी गई है। वहीं दरिमा और धौरपुर थाना में पदस्थ दो अन्य निरीक्षकों का भी तबादला किया गया है। एसपी द्वारा लंबे समय से कोतवाली में पदस्थ उपनिरीक्षक रूपेश नारंग का तबादला करते हुए उन्हें बतौली थाना प्रभारी बनाया गया है। जबकि कोतवाली में निरीक्षक राजेश कुमार सिंह को पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार गांधीनगर, मणिपुर थाना के भी प्रभारी बदले गए हैं। जारी आदेश के तहत निरीक्षक जॉन प्रदीप लकड़ा दरिमा से थाना प्रभारी गांधीनगर, प्रदीप कुमार जायसवाल रक्षित केंद्र से थाना प्रभारी गांधीनगर, कैलाश मिर्रे धौरपुर से थाना प्रभारी मणिपुर, अश्विनी सिंह रक्षित केंद्र से थाना प्रभारी सीतापुर, कुमारी चंद्राकर रक्षित केंद्र से थाना प्रभारी उदयपुर, रजनीश सिंह रक्षित केंद्र से प्रभारी सायबर सेल एवं चिट फंड, उप निरीक्षक शिशिर कांत सिंह सीतापुर से थाना प्रभारी धौरपुर, रविंद्र प्रताप सिंह बतौली से थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर, राम नरेश गुप्ता कमलेश्वरपुर से मणिपुर थाना, प्रमोद पाण्डेय थाना प्रभारी मणिपुर से लखनपुर और उप निरीक्षक ओम प्रकाश यादव का तबादला थाना प्रभारी उदयपुर से यातायात शाखा में किया गया है।

खंडहरनुमा घर में अर्धनग्न अवस्था में मिली युवती की लाश

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।
. सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पेटला में बुधवार को खंडहरनुमा घर में युवती की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि युवती पिछले दो दिन से लापाता थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की।
जानकारी के अनुसार सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पेटला निवासी मनीषा पैकरा पिछले दो दिन से लापाता थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इधर बुधवार को गांव में ही एक खंडहरनुमा घर में युवती की अर्धनग्न अवस्था में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर सीतापुर पुलिस व डॉग स्क्रायड व फॉरेंसिक की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। फिलहाल पुलिस शव को पीएम पश्चात परिजन को सौंप कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुपर मॉडल गिगी हदीद गिरफ्तार, सुरक्षा जांच में मिला गांजा

लॉस एजेलिस । हॉलीवुड की सुपरमॉडल और एक्ट्रेस गिगी हदीद को गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें केमैन के ओवेन रॉबर्ट्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पकड़ा है। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके तुरंत बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया। जानकारी के अनुसार सुपरमॉडल केमैन आइलैंड में छुट्टियां मनाकर लौट रही थीं जब कस्टम विभाग को उनके सामान से ड्रग्स बरामद हुए। गिगी हदीद और उनकी एक दोस्त निजी विमान से केमैन आइलैंड पहुंचे थे। जांच करने पर कस्टम ऑफिसर को उनके सामान में नशा संबंधित सामान मिला। गिगी हदीद को मारिजुआना आयात करने के शक में गिरफ्तार किया गया। यह मामला 10 जुलाई का है जो अब सामने आया है। 12 जुलाई 2023 को गिगी और उनकी दोस्त मैक्कार्थी समरी कोर्ट में पेश हुईं, और ऑफिसर्स ने उन्हें आरोपों के लिए दोषी ठहराया। बाद में एक हजार डॉलर का जुर्माना लगाने के बाद दोनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस मामले में हदीद के एक प्रवक्ता ने सफाई में कहा कि सुपरमॉडल मेडिकल लाइसेंस के साथ एनवाईसी में कानूनी रूप से खरीदे गए मारिजुआना के साथ यात्रा कर रही थीं। यह 2017 से ग्रैंड केमैन में चिकित्सा उपयोग के लिए भी कानूनी है। उसका रिकॉर्ड स्पष्ट है और उन्होंने आइलैंड पर अपने बाकी समय का भरपूर आनंद लिया। रिहा होने के बाद हदीद ने केमैन आइलैंड्स पर ली गई अपनी हॉलिडे फोटोज और वीडियो शेयर किए और लिखा, अंत भला तो सब भला। इस वीडियो में वह बिकिनी पहने और समुद्र के किनारे दोस्त के साथ धूप का आनंद लेती दिखाई दे रही है।

भारत ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संयुक्त राष्ट्र को 10 लाख डॉलर का दान दिया

जिनेवा। भारत ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संयुक्त राष्ट्र को 10 लाख डॉलर का दान दिया है। भारत के योगदान को स्वीकार कर ग्लोबल कम्युनिकेशंस के अवर महासचिव मेलिसा फ्लेमिंग ने ट्वीट किया, भारत में हिंदी भाषी दर्शकों के लिए संयुक्त राष्ट्र समाचार और कहानियां लाने के लिए हमारी हिन्दी सेवा में उनके उदार निवेश के लिए हम आभारी हैं। भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज, जिन्होंने पिछले शुक्रवार को उन्हें चेक दिया था, ने एक बयान में कहा कि नई दिल्ली संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखेगी। उन्होंने कहा, हिंदी भाषा में समाचार और मल्टीमीडिया सामग्री को मुख्यधारा में लाने और समेकित करने के संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों की भारत और उन देशों में सराहना की गई है जहां हिंदी भाषी आबादी रहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महासभा और सुरक्षा परिषद को संबोधित किया है, जहां एक साथ अनुवाद उपलब्ध है, लेकिन उन्होंने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र परिसर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में अंग्रेजी में बात की थी। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा की गई थी, जो 1977 में विदेश मंत्री रहते हुए संयुक्त राष्ट्र में इस भाषा में बोलने वाले पहले भारतीय अधिकारी बने थे। संयुक्त राष्ट्र की शुरुआत 1945 में अंग्रेजी की तीन व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं के साथ हुई थी। फ्रेंच और स्पैनिश ने अपने मृत पूर्ववर्ती, राष्ट्र संघ से, रूसी और चीनी के साथ, दो स्थायी सदस्यों की भाषाओं को आधिकारिक और कामकाजी भाषाओं के रूप में आगे बढ़ाया। इसने 1973 में अरबी को आधिकारिक भाषा के रूप में जोड़ा। संयुक्त राष्ट्र अपनी बैठकों में छह भाषाओं में दस्तावेजों की एक साथ व्याख्या और अनुवाद प्रदान करता है। देश अपनी भाषा से भाषणों के एक साथ अनुवाद की व्यवस्था कर सकते हैं जैसा कि भारत ने हिंदी या अपनी भाषा में किया है। संयुक्त राष्ट्र मीडिया संगठनों ने 2018 में स्वाहिली और पुर्तगाली के अलावा हिंदी में वेबसाइट और सोशल मीडिया पोस्ट चलाना शुरू किया। भारत ने 2003 में विदेश मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति के गठन के साथ संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं की सूची में भारत को शामिल करने के अपने प्रयास शुरू किए और 2007 में 8वें विश्व हिंदी सम्मेलन की सिफारिश पर इसने अपने प्रयासों को नवीनीकृत किया। हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल करने के लिए 193 सदस्यों के बहुमत से अनुमोदन प्राप्त करने के अलावा, भारत को नकदी संकट से जूझ रहे संयुक्त राष्ट्र के लिए व्याख्याओं और अनुवादों की अधिकांश लागत वहन करनी होगी।

अमेरिका में बच्चे ने 1 साल की बहन को मारी गोली, अस्पताल में तोड़ा दम

कैलिफोर्निया । अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में आए दिन गोलीबारी की घटना सामने आती रहती है। हालांकि ये वारदात किसी हमलावर द्वारा नहीं बल्कि एक तीन साल के बच्चे के द्वारा अंजाम दिया गया है। कैलिफोर्निया के शेरिफ डिपार्टमेंट ने घटना संबंधित एक विवरण जारी किया। जिसमें बताया गया कि हाल ही में शेरिफ विभाग को फॉलब्रुक में एस. स्टेजकोच लेन के 1100 ब्लॉक में एक आवास पर गोलीबारी के बारे में सूचना मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि एक तीन साल के बच्चे ने गलती से अपनी एक साल की बहन को गोली मार दी। इसके बाद विभाग के अधिकारी घटना की पुष्टि के लिए मौके पर पहुंचे। मामले की तफ्तीश के दौरान पता चला कि 3 वर्षीय बच्चे के हाथ पिस्तौल लग गई थी। इस दौरान उसने खेल-खेल में गोली चला दी और उसके एक साल की बहन को जा लगी। इसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। विभाग ने डिटेल में निजी सुरक्षा के चलते बच्ची का नाम उजागर नहीं किया। विभाग ने बच्ची की मौत पर सहानुभूति भी जाहिर किया और कहा कि शेरिफ के होमिसाइड जांचकर्ता मौत की परिस्थितियों को निर्धारित करने के लिए अधिक जानकारी इकट्ठा करने के लिए काम कर रहे हैं। कोई भी संदिग्ध नहीं है और समुदाय के लिए कोई खतरा नहीं है। मामले की जांच जारी है। साथ ही बताया कि सैन डिएगो काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है और जांच के दौरान हमारे निष्कर्षों से अपडेट किया जाएगा। इसके अलावा बताया कि बच्ची की मौत का कारण और तरीका पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

कोरोना के जन्मदाता वुहान इंस्टीट्यूट पर चला यूएस का चाबुक

वॉशिंगटन । कोविड-19 का कारक सार्स-सीओवी-2 वायरस की उत्पत्ति के लिए कथित तौर जिम्मेदार माने जा रहे चीन के वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की संघीय फंडिंग पर बाइडेन प्रशासन ने रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि लैब द्वारा सुरक्षा उपायों के बारे में दस्तावेज उपलब्ध कराने में नाकाम रहने के बाद अमेरिका ने यह कदम उठाया। ज्ञापन के अनुसार स्वास्थ्य और मानव सेवा (एचएचएस) विभाग ने वुहान संस्थान को निलंबन के बारे में सूचित किया और प्रयोगशाला को यह भी बताया कि वह इसे स्थायी रूप से बंद करना चाहता है। पिछले सितंबर में शुरू हुई समीक्षा के बाद एचएचएस ने पाया कि चीन के वुहान में स्थित यह सुविधा संघीय नियमों का अनुपालन नहीं करती है। एचएचएस के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा कि यह कार्रवाई गारंटी देती है कि संस्थान को कोई और संघीय फंडिंग नहीं मिलेगी। लैब को जुलाई 2020 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान से पैसा नहीं मिला है। कोविड-19 की उत्पत्ति की चल रही जांच के बीच जैव सुरक्षा प्रथाओं पर दस्तावेज़ साझा करने में नाकाम रहने पर अमेरिका द्वारा लैब को दंडित करना अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई है। संस्थान इस बात पर चर्चा का केंद्र बन गया है कि कोविड महामारी, जिसने लगभग 70 लाख लोगों की जान ले ली है, कैसे शुरू हुई. एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे सहित कुछ लोगों को संदेह है कि इसकी उत्पत्ति वुहान लैब में हुई होगी।

जेलेंस्की को काला सागर अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद

कीव अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद है। जेलेंस्की के प्रवक्ता सर्गेई न्यकीफोरोव ने इसकी जानकारी दी। रूस इस समझौते से बाहर हो चुका है। जेलेंस्की के हवाले से बताया गया, रूस के बिना भी हम कर सकते हैं, ताकि हम इस काला सागर गलियारे का उपयोग कर सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को समझौते को जारी रखने के संबंध में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के लिए आधिकारिक संकेत तैयार करने का आदेश दिया। जेलेंस्की ने कहा कि अगर यूक्रेन और तुर्की जहाजों को गुजरने की अनुमति देते हैं, तब जिन कंपनियों के पास जहाज हैं वे अनाज की आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार हैं। पिछले साल जुलाई में, यूक्रेन और रूस ने अलग से इस्तांबुल में तुर्की और संयुक्त राष्ट्र के साथ काला सागर के माध्यम से यूक्रेनी बंदरगाहों से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक खाद्य शिपमेंट को फिर से शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था।

यूनान में पुरनारी गांव के करीब जंगलों में लगी आग से उठता हुआ धूआं।

एक साक्षात्कार में ट्रंप ने बाइडन को बेवकूफ इंसान बताया

वॉशिंगटन । अपने दावों और कई बड़े झूठ बोलने के लिए मशहूर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एक अमेरिकी न्यूज चैनल पर दिए साक्षत्कार में उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को बेवकूफ इंसान बताया है। ट्रंप ने साक्षात्कार में यह भी कहा कि राष्ट्रपति पद के प्रति सम्मान के कारण मैं कभी भी बाइडन के पीछे नहीं गया जैसा कि मैं कर सकता था। डोनाल्ड ट्रंप 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए दावेदार बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन बहुत बेईमान, चोर और एक नीच व्यक्ति है। मेरा मतलब है, वह एक मूर्ख व्यक्ति है। अब मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी पर ऐसा आरोप लगाया है, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि यह संभव भी है। ट्रंप ने अपने ऊपर लगे आरोपों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वह मुझ पर अप्रमाणित हमले कर रहे हैं। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी ने 5 साल से चल रही ट्रंप के आरोपों की जांच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी रिपब्लिकन राष्ट्रपति और उनके परिवार के खिलाफ निराधार, अप्रमाणित, राजनीति से प्रेरित हमले कर रही है। यह उनके हितों के अलावा कुछ भी नहीं। वे लोगों का ध्यान आकर्षित करने और अपने स्वयं के अलोकप्रिय विचारों और उन मुद्दों के समाधान की कमी से ध्यान भटकाने की कोशिश करने के लिए दक्षिणपंथी मीडिया में अपने सहयोगियों का सहारा ले रही है। गौरतलब है कि ट्रंप के व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद कुछ गोपनीय दस्तावेजों की तलाश के लिए फ्लोरिडा में उनके आवास मार-ए-लागो में तलाशी ली गई थी। एफबीआई ने मार-ए-लागो में सर्च वारंट के साथ प्रवेश किया और करीब 11,000 गोपनीय कागजात बरामद किए।

काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संरा के प्रयासों का समर्थन करता है भारत: कम्बोज

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने काला सागर अनाज पहल जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया है और मौजूदा गतिरोध का शीघ्र समाधान होने की उम्मीद जताई है। इससे एक दिन पहले ही रूस ने घोषणा की थी कि वह युद्ध के दौरान यूक्रेनी बंदरगाह से खाद्यान्न एवं उर्वरकों के निर्यात की अनुमति देने संबंधी समझौते का क्रियान्वयन रोक रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने 'यूक्रेन के अस्थायी कब्जे वाले क्षेत्रों में स्थिति' पर महासभा की वार्षिक बहस में कहा कि भारत क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित है, जो शांति एवं स्थिरता के बड़े मकसद को हासिल करने में मददगार साबित नहीं हुआ है।

कम्बोज ने कहा, ''भारत ने काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रयासों का समर्थन किया है और वह वर्तमान गतिरोध के शीघ्र समाधान की उम्मीद करता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत यूक्रेन में हालात को लेकर चिंतित है। इस संघर्ष के कारण कई लोगों की जान गई है और कई लोगों, विशेषकार महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को कष्ट झेलने पड़ रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो गए हैं और वे पड़ोसी देशों में शरण लेने को मजबूर हैं।'' कंबोज ने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष को लेकर भारत का दृष्टिकोण जन-केंद्रित बना रहेगा। उन्होंने कहा, ''हम यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान कर रहे हैं और दक्षिण में हमारे कुछ पड़ोसियों को ऐसे समय में आर्थिक मदद दे रहे हैं, जब वे आर्थिक संकटों के बीच भोजन, ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती लागत की समस्या से जूझ रहे है, जो इस संघर्ष का परिणाम है।''

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने काला सागर पहल का क्रियान्वयन रोकने के रूस के फैसले पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस पहल ने यूक्रेनी बंदरगाहों से तीन करोड़ 20 लाख टन से अधिक खाद्य वस्तुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की। गुतारेस ने कहा कि काला सागर पहल और रूसी खाद्य उत्पादों एवं उर्वरकों के निर्यात को संभव बनाने संबंधी समझौता ज्ञापन वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक ''जीवनरेखा'' और परेशान दुनिया के लिए आशा की किरण रहा है।

कम्बोज ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यूक्रेन में युद्ध का असर पूरे 'ग्लोबल साउथ' पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि 'ग्लोबल साउथ' की आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का उचित समाधान किया जाए।'' 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। कम्बोज ने कहा कि नागरिकों और असैन्य बुनियादी ढांचे पर हमलों की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। भारतीय राजदूत ने इस बात को रेखांकित किया कि मतभेदों और विवादों से निपटने का एकमात्र तरीका वार्ता है।

ब्रह्मपुत्र नदी पर सबसे बड़ा बांध बना रहा चीन, फिर बढ़ेगी भारत से टेंशन

बीजिंग (एजेंसी)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर फिर भारत और चीन के बीच टकराव बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन तिब्बत में एलएसी के पास यारलुंग-त्संगपो नदी की निचली धारा पर एक सुपर बांध बनाने की अपनी योजना को आगे बढ़ा रहा है। इस नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है, और यह सबसे बड़ी नदी है। चीन की राजनीति के बारे में अच्छी समझ रखने वाले ब्रह्मा चेलानी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने एक आर्टिकल लिखा है जिसके मुताबिक चीन दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण गुप्त रूप से नहीं कर सकता। इस आर्टिकल पर अगर यकीन करें तब यह बांध 60 गीगावॉट की क्षमता वाला होगा। यह बांध चीन के मेगा प्रोजेक्ट का हिस्सा होगा। भारत से सटी सीमा पर उसका यह बांध आकार और क्षमता दोनों में उसके अपने ही एक और डैम थ्री गॉर्जेस से भी कहीं गुना ज्यादा बड़ा होगा। थ्री गॉर्जेस वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है। चीन के बांध-निर्माण की खबरें अक्सर मीडिया में आती रहती हैं। मगर चीन कभी भी इन परियोजनाओं के पैमाने और भौगोलिक सीमा को स्पष्ट नहीं करता है। इसकारण इन पर हमेशा रहस्य बना रहता है। माना जा रहा है कि ब्रह्मपुत्र के उस बिंदु पर बिजली पैदा करने की योजना बना रहा है, जहां ये यह नदी भारत में दाखिल होती है। नवंबर 2020 में बांध की खबरें फिर से सामने आईं थी। उस समय चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने इस बारे में जानकारी दी थी। कैलाश पर्वत के पास एंगसी ग्लेशियर से निकलती और पूर्व में हिमालय से घिरी ब्रह्मपुत्र नदी 3,969 किलोमीटर लंबी है। भारत की सीमा के बाहर इस चीन में यारलुंग-त्संगपो के नाम से बुलाते हैं। यह नदी यह अलग-अलग क्षेत्रों से होकर बहती है। तिब्बत से निकलती हुई यह भारत से गुजरती है और अंत में बांग्लादेश में खत्म होती है। 1,100 किलोमीटर पूर्व की ओर बहने के बाद यह कई सहायक नदियों से मिलती है। इसके बाद यह अचानक उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ जाती है। फिर हिमालय के पूर्वी छोर पर पर्वतीय श्रृंखलाओं के बीच संकरी घाटियों से रास्ता बनाती हुई चीन को पार करते हुए दक्षिण की ओर मुड़ जाती है। यह हिस्सा एलएसी के तहत आता है और भारत से निकलते ही दोनों ओर 5,000 मीटर या उससे ज्यादा गहरी खाई में गिरती है। यह दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी नदी है।

युद्ध से परेशान रूसी सैनिक अपने ही साथियों को बना रहे निशाना

-लंबे युद्ध से बौखला गए सैनिक, दौ सैनिक की बातचीत से हुआ खुलासा

कीव (एजेंसी)। । युद्ध से परेशान रूसी सैनिक अब अपने ही साथियों पर फायरिंग कर रहे हैं, यह खुलासा यूक्रेन ने दो रूसी सैनिकों की फोन कॉल को इंटरसेप्ट करने के बाद किया है। हालांकि गोली चलने के बाद सैनिक की मौत की जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि यूक्रेन-रूस के बीच छिड़ी जंग को करीब डेढ़ साल का वक्त हो चुका है। लेकिन अभी दोनों देशों के बीच कोई संधि या समझौता होता नजर नहीं आ रहा है। यूक्रेन और रूस की तरफ से एक दूसरे पर हमलों की बौछार जरूर तेज कर दी गई है। दोनों देशों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। इसके चलते माना जा रहा है कि अभी युद्ध और लंबा खींच सकता है। ऐसे में यूक्रेन की ओर से रूस की सेना और उसके सैनिकों के कमजोर होते मनोबल को लेकर कई दावे लगातार किए जाते रहे हैं। ताजा मामला यूक्रेन में युद्ध लड़ रहे दो रूसी सैनिकों के बीच हुई फोन कॉल को इंटरसेप्ट करने के बाद सामने आए तथ्य हैं। इस के बाद यूक्रेन का दावा है कि एक रूसी सैनिक ने अपने साथियों पर ही गोलीबारी कर दी। हालांकि यह जरूर कहते सुना कि शूटर मारा गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी सैन्य खुफिया एजेंसी ने ऑडियो का हवाला देते हुए दावा किया है कि किसी बात को लेकर एक सैनिक ने अपने साथियों पर गोली दाग दी। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी का दावा है कि ऑडियो में दो सैनिकों को आपस में फोन कॉल कर बातचीत करते और एक अन्य सैनिक द्वारा अपने साथियों पर गोली चलाये जाने की घटना की चर्चा करते हुए सुना गया। यूक्रेन के मुख्य खुफिया निदेशालय (जीयूआर) ने कहा कि यह कॉल रूसी सैनिकों की गंभीर मनोवैज्ञानिक स्थिति को प्रकट करती है। ऑडियो में, एक सैनिक ने बताया कि उसकी ब्रिगेड के एक सैनिक ने अपनी पकड़ को ढीला कर दिया और और यूनिट के अन्य सदस्यों पर गोली चलाना शुरू कर दिया। इस बात का खुलासा नहीं हुआ कि घटना के दौरान सैनिक मारे गए या घायल हुए। लेकिन इतना कहते हुए जरूर सुना गया कि शूटर मारा गया।

गिरफ्तारी से डर गए पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। राष्ट्रपति ने बुधवार को महीनों की अटकलों को समाप्त करते हुए ये जानकारी दी है। पुतिन की संभावित यात्रा दक्षिण अफ्रीका के लिए एक जटिल कूटनीतिक मुद्दा रही है। रूसी नेता एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट का लक्ष्य हैं - एक प्रावधान जिसे प्रिटोरिया को आईसीसी सदस्य के रूप में लागू करने की उम्मीद होगी यदि वह देश में कदम रखेंगे।

राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के प्रवक्ता विंसेंट मैग्वेन्या ने एक बयान में कहा कि आपसी सहमति से, रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे, लेकिन रूसी संघ का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे। यह निर्णय हाल के महीनों में रामफोसा द्वारा आयोजित कई परामर्शों के बाद लिया गया है। कोरोना महामारी के बाद व्यक्तिगत रूप से आयोजित होने वाला ये पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होगा। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा ने विश्वास जताया है कि ये समिट सफल होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रतिनिधियों को वो आवश्यक आतिथ्य प्रदान करने का आह्वान करते हैं।

ब्रिक्स एक संक्षिप्त नाम है जो 2001 में ब्रिक के रूप में शुरू हुआ, जिसे जिम ओ%नील (एक गोल्डमैन सैक्स अर्थशास्त्री) ने ब्राजील, चीन, भारत और रूस के लिए गढ़ा था। बाद में 2010 में दक्षिण अफ्रीका को ब्रिक्स में शामिल कर लिया गया। गोल्डमैन सैक्स ने दावा किया कि 2050 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चार क्क्नहृष्ट अर्थव्यवस्थाओं का प्रभुत्व हो जाएगा।

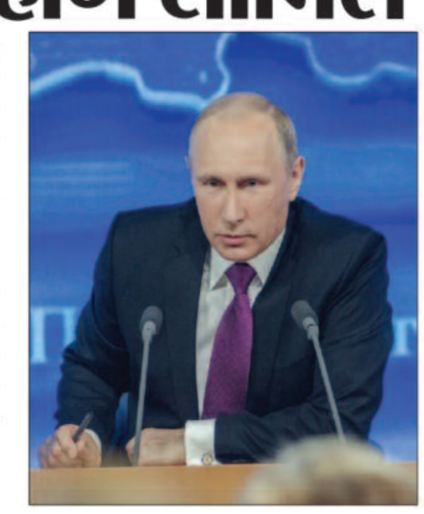

ब्रिटेन के नए पासपोर्ट में अब हिज मेसस्टी की उपाधि होगी, बड़े बदलाव पर एक नजर

इंटरनेशनल डेस्क : किंग चार्ल्स III के नाम पर जारी किए गए 'महामहिम' शीर्षक वाले पहले ब्रिटिश पासपोर्ट इस सप्ताह से शुरू हो जाएंगे। 70 से अधिक वर्षों तक महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के शासनकाल के दौरान आधिकारिक यात्रा दस्तावेज़ महामहिम के नाम पर दिए गए थे। 1952 के बाद पहली बार – अंतिम पुरुष सम्राट, चार्ल्स के दादा किंग जॉर्ज VI के शासनकाल की समाप्ति पासपोर्ट महामहिम शीर्षक के तहत जारी किए गए हैं। गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने इसे इतिहास में एक नया युग बताते हुए कहा कि 70 वर्षों से, महामहिम ब्रिटिश पासपोर्ट पर दिखाई देती रही हैं और हममें से कई लोगों को ऐसा समय याद नहीं होगा जब वह इसमें शामिल न हुई हों। आज ब्रिटेन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि 1952 के बाद से पहले ब्रिटिश पासपोर्ट पर महामहिम, राजा की उपाधि अंकित होनी शुरू हुई है। विदेश यात्रा के दौरान राजा के पास पासपोर्ट नहीं होता है या उसे इसकी आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि ब्रिटिश पासपोर्ट राजा के नाम पर जारी किए जाते हैं। पहले पृष्ठ में रॉयल आर्म्स का एक प्रतिनिधित्व है। महामहिम के राज्य सचिव महामहिम के नाम पर उन सभी से अनुरोध करते हैं और चाहते हैं कि वे धारक को बिना किसी रोक-टोक के स्वतंत्र रूप से गुजरने की अनुमति, और वहन करें वाहक को ऐसी सहायता और सुरक्षा जो आवश्यक हो। हालांकि दिवंगत महारानी के नाम पर जारी ब्रिटिश पासपोर्ट वैध यात्रा दस्तावेज़ बने रहेंगे।

आईएफएम ने पाकिस्तान को चेताया, भयानक खतरे से बचकर रहना होगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आईएफएम ने कर्ज के बोझ से दब रहे पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि आने वाले समय में उस पर भयानक खतरा मंडराने वाला है। इस लिए सहमति से बनी नीतियों पर चलना होगा। पाकिस्तान इस समय भयानक आर्थिक संकट से गुजर रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने चेतावनी दी है कि यह कंगाल देश अत्यधिक खतरे का सामना कर रहा है। आईएमएफ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि 3 अरब डॉलर के ताजा लोन के अलावा पाकिस्तान को आने वाले चुनाव के बाद एक और पैकेज की जरूरत होगी। इस बीच अब खुलासा हुआ है कि आईएमएफ से कर्ज के लिए 6 महीने तक हाथ पैर जोड़ने वाली शहबाज शरीफ सरकार को वैश्विक एजेंसी बहुत ही कड़ी शर्तों पर कर्ज दिया है। अपनी 120 पन्ने की रिपोर्ट में आईएमएफ ने कहा कि लंबे समय तक के लिए भुगतान का संतुलन बना रहे, इसके लिए पाकिस्तान को वर्तमान लोन के अलावा और ज्यादा पैसे की जरूरत होगी।

जानकारी के अनुसार इस रिपोर्ट को पाकिस्तान के वित्त मंत्री और स्टेट बैंक के गवर्नर के साथ हुए समझौते के आधार पर जारी किया गया है। वहीं आईएमएफ ने कहा कि भविष्य में दिया जाने वाला दूसरा पैकेज पाकिस्तान में स्थिरता लाएगा। आईएमएफ ने अपने आकलन में कहा कि पाकिस्तान में आर्थिक चुनौतियां बहुत जटिल हैं और बहुआयामी हैं। पाकिस्तान को लेकर खतरा बहुत ही ज्यादा है। उसने कहा कि इसका हल करने के लिए यह जरूरी है कि जिन नीतियों पर सहमति बनी है, उस पर तेजी से क्रियान्वयन किया जाए। इसके अलावा विदेशी भागीदारों की ओर से लगातार वित्तीय मदद की जरूरत होगी। एजेंसी ने कहा कि आईएमएफ प्रोग्राम का निर्णायक और सतत क्रियान्वयन खतरे को कम करने के लिए जरूरी होगा। हालांकि आईएमएफ के साथ हुए समझौते के तहत शहबाज सरकार ने बिजली के दाम को 5 रुपये प्रति यूनिट बढ़ा दिया है।

इसी तरह से पाकिस्तान में रेकार्ड महंगाई के बाद भी गैस के दाम में भी 40 पैसे की बढ़ोत्तरी की गई है। पाकिस्तान में अब टैक्स की दर को भी बढ़ाने की तैयारी है। फिलहाल पाकिस्तान पर 100 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज है जिसमें से 30 अरब डॉलर केवल चीन का है। पाकिस्तान को इस वित्तीय वर्ष में 25 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज लौटाना है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्राभंडार आईएमएफ, चीन, सऊदी अरब के कर्ज के बाद बढ़ा है लेकिन अभी भी यह बहुत ही खराब स्थिति में है।

CMYK

फिर फूटा पटाखा...कलेक्टर,जिला शिक्षा अधिकारी के बाद अब संयुक्त कलेक्टर नयनतारा सिंह के जाने पर फूटे पटाखे...

खड़गवां में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी मनेंद्रगढ़ विधायक के समर्थक, एसडीएम भरतपुर सोनहत विधायक की खास,मामले में विधायकों की आपसी तकरार भी प्रदर्शन की वजह सूत्र

- एसडीएम का हुआ तबादला,कांग्रेसियों ने फोड़े पटाखे,गंगाजल से कार्यालय पवित्र करने का भी कांग्रेसियों ने किया प्रयास
- संयुक्त कलेक्टर पर भ्रष्टाचार का लगाया कांग्रेसियों ने आरोप,इसीलिए कार्यालय शुद्ध करने गंगाजल लेकर पहुंचे थे कांग्रेसी
- पहले कलेक्टर फिर जिला शिक्षा अधिकारी अब एसडीएम अविभाजित कोरिया जिले में अधिकारियों के तबादले पर कांग्रेसियों में बढ़ गया है पटाखा फोड़ने का चलन
- पूर्व में कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी के तबादले पर भी फुट चुके हैं पटाखे
- क्या अपनी ही सरकार में अधिकारियों से संतुष्ट नहीं हैं जिले के कांग्रेसी?
- जब सत्ताधारी दल के नेता ही अधिकारियों पर लगा रहे भ्रष्टाचार का आरोप ऐसे में आम आदमी का क्या होगा हाल,समझने वाली बात
- एसडीएम खड़गवां का पूर्व में भी जिले से बाहर हुआ था तबादला,तबादला तब रूकवाने में हुई थी सफल
- एसडीएम खड़गवां को विधायक भरतपुर सोनहत का माना जाता है खास,इसलिए भी पूर्व में हुआ तबादला हुआ था निरस्त,सूत्र
- पूर्व कलेक्टर के स्थानांतरण पर पटाखे फोड़ना और अब एसडीएम के स्थानांतरण पर गंगाजल से कार्यालय पवित्र करना क्या कांग्रेसियों के लिए उचित?

-रवि सिंह-

एमसीबी/खड़गवां,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिले से अलग होकर नवीन जिला एमसीबी अभी हाल में ही अस्तित्व में आया है और अभी भी कई विभाग ऐसे हैं जो संयुक्त रूप से अविभाजित कोरिया जिले के लिए काम कर रहें हैं और ऐसे में अभी पूर्ण विभाजन हुआ है ऐसा कहना जल्दबाजी होगा। अविभाजित कोरिया जिले में विगत साढ़े चार वर्षों से दौरान कांग्रेसियों की और शासकीय अधिकारियों की आपसी सामंजस्य में कभी तालमेल नहीं देखा गया है और सत्ता में होने के बाद भी कांग्रेसियों को ही शासकीय अधिकारियों का विरोध करते देखा गया है, जो अविभाजित जिले में आम सी बात के रूप में लगातार नजर आया और यह भी बात इस मामले में समझ में आई की अधिकारियों की मनमानी ऐसी रही की कांग्रेसियों को ही अपनी ही सरकार में विपक्ष की भूमिका का निर्वाहन करना पड़ा और अधिकारियों का विरोध करने उन्हें सामने आना पड़ा,अविभाजित कोरिया जिले के एक कलेक्टर के तबादले पर जिला मुख्यालय में कांग्रेसियों ने ही पटाखे फोड़े थे और कलेक्टर के तबादले पर जश्न मनाया था और ऐसा उन्होंने ने इसलिए किया था क्योंकि कलेक्टर कांग्रेसियों की सुनते नहीं थे और अपनी मनमानी करते थे, कलेक्टर के तबादले पर पटाखा फोड़ने पर तब कांग्रेसियों की काफी फजीहत भी हुई थी और कइयों को जिनका नाम इस मामले में सामने आया था उन्हें पुलिस थाने भी तलब किया गया था और पूछताछ भी हुई थी।

उस समय यह माना गया था की कांग्रेसी अपनी ही सरकार में अधिकारियों से परेशान हैं और उनकी अधिकारी नहीं सुनते इसलिए ऐसे पटाखे फोड़ने वाली घटना हो रही है, पटाखा फोड़ने की घटना ही केवल ऐसा उदाहरण नहीं था जो कांग्रेसियों और शासकीय अधिकारियों के बीच की दूरी बयान करने वाला उदाहरण था, ऐसे कई और मामले सामने आते रहे जो यह साबित करते रहे की अधिकारी किस तरह इस सरकार में निरंकुश हो चुके हैं जो सत्ताधारी दल के नेताओं के ही दबाव में नहीं हैं और ऐसे में आम लोगों का वही अधिकारी क्या हाल करते होंगे समझा जा सकता है, खनिज विभाग को लेकर और उसकी कारस्तानियो को लेकर कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओ ने कई बार उस समय आंदोलन की भी चेतावनी दी जब खनिज विभाग रेत ठेकेदार के साथ मिलकर आम लोगों को परेशान करने में जुटा हुआ था जिसे भी जिले के लोगों ने देखा और माना की सत्ता में रहकर भी कांग्रेसी आम लोगों की रक्षा उन अधिकारियों से नहीं कर पा रहें हैं जो मनमानी कर रहें हैं और निरंकुश हो चुके हैं।

कांग्रेसी ही अधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं और पटाखे फोड़ रहे

अब ताजा मामला नवीन गठित जिले एमसीबी का भी सामने है और सरकार के कार्यकाल का आखिरी समय चल रहा है और कांग्रेसी ही अधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं और पटाखे फोड़ रहे हैं और साथ ही वह कार्यालय को गंगाजल से शुद्ध करने की बात कर रहें हैं जिस कार्यालय में उक्त अधिकारी एसडीएम बैठा करती थीं। अब सोचने वाली बात यह है की क्या अविभाजित कोरिया जिले में अधिकारियों की मनमानी पूरे कांग्रेस सत्ता के कार्यकाल के दौरान जारी रही,कांग्रेसियों का पूरे कार्यकाल के दौरान जारी विरोध प्रदर्शन तो यही साबित करता है की सत्ता में पंद्रह साल बाद वापसी करने वाली कांग्रेस अधिकारियों की निरंकुशता पर लगाम लगा पाने में असफल रही और यह खुद कांग्रेसी ही साबित कर रहें हैं। पिछले साढ़े चार सालों के कार्यकाल में कांग्रेस के भ्रष्टाचार की बातें वैसे तो हर कार्यालय शासकीय से सामने आई,अवैध कारोबार में पुलिस विभाग की भी संलिप्तता सामने आई लेकिन राजस्व विभाग भ्रष्टाचार में अव्वल बना रहा यह जरूर देखने को मिला जिसमे कई अधिकारियों पर कार्यवाही भी हुई कई कर्मचारियों पर भी गाज गिरी लेकिन भ्रष्टाचार रुका नहीं बल्कि बढ़कर सामने आया और लोग परेशान ही रहे। अब कांग्रेसी जब गंगाजल से भ्रष्टाचार दूर करने और उसकी सफाई करने निकले हैं देखना है की गंगाजल क्या असर दिखाता है और क्या भ्रष्टाचार मुक्त जिला वह बना पाते हैं।

गंगाजल लेकर एसडीएम कार्यालय शुद्ध करने पहुंचे कांग्रेसियों में से एक के पिता पर ही भ्रष्टाचार का आरोप,मामला फिलहाल जांच में

खड़गवां एसडीएम कार्यालय में गंगाजल लेकर कार्यालय को शुद्ध करने पहुंचे कांग्रेस नेताओं में से एक नेता ऐसा भी उसमे शामिल था जिसके पिता के ऊपर ही भ्रष्टाचार का बड़ा आरोप लगा हुआ है, मामला भी छोटा मोटा नहीं है आदिवासी छात्र छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं में सेंध लगाकर अपनी जेब भरने का मामला है,मामला फिलहाल जांच में है। बता दें की खड़गवां में विकासखंड शिक्षा अधिकारी रहते हुए उक्त कांग्रेसी नेता के पिता ने एकलव्य आदिवासी विद्यालय के प्राचार्य का भी पदभार सम्हाला और आदिवासी छात्र छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं को अपने लाभ के लिए उनसे दूर रखा और जमकर भ्रष्टाचार किया। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान जब विद्यालय बंद थे तब भी खरीदी की गई और भ्रष्टाचार किया गया और समझा जा सकता है की किस तरह छात्र छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं को खुद की जेब भरने में उपयोग किया गया। अब उनके ही पुत्र गंगाजल लेकर भ्रष्टाचार मिटाने की बात करने निकले हैं जबकि उन्हीं के पिता पर भ्रष्टाचार की जांच जारी है और को प्रथम दृष्ट्या साथ ही प्रारंभिक जांच में सही भी साबित हो चुकी है। कांग्रेसी नेता जिनके पिता पर भ्रष्टाचार का आरोप है क्या वह अपने पिता के भ्रष्टाचार मामले में भी गंगाजल लेकर शुद्धिकरण की बात करेंगे क्या वह अपने पिता पर कार्यवाही चाहेंगे यह भी बड़ा सवाल है।

राजस्व सहित पुलिस एवं आबकारी विभाग के भ्रष्टाचार को कब उजागर करेंगे कांग्रेसी?

जिले के कांग्रेसी भ्रष्टाचार की बात कर रहें हैं और भ्रष्टाचार की बात भी वह केवल राजस्व विभाग की ही कर रहें हैं जबकि प्रत्येक शासकीय कार्यालय में भ्रष्टाचार जारी है, कांग्रेसियों को पुलिस सहित आबकारी विभाग का भ्रष्टाचार क्यों नहीं दिखाई दे रहा यह भी सवाल है। जिले में अवैध कारोबार जमकर हो रहा है शराब में मिलावट का खेल जारी है चिरमिरी की एक शराब दुकान में करोड़ों का शराब घोटाला हुआ है लेकिन कांग्रेसियों को यह भी भ्रष्टाचार अभी तक नजर नहीं आया है। जिले के इन शासकीय विभागों का भी भ्रष्टाचार कांग्रेसियों को उजागर करना चाहिए। अब देखना है की क्या कांग्रेसी पुलिस और आबकारी विभाग को भी भ्रष्टाचार मामले में घेरते हैं क्या अवैध कारोबार और मिलावटी शराब मामले में वह आंदोलन करते हैं क्या यहां भी वह गंगाजल लेकर शुद्धता की बात करते हैं?

पटाखे फोड़कर एस डी एम के तबादले पर किया खुशी का इजहार,क्या कांग्रेसियों पर होगी कार्यवाही

एसडीएम के तबादले पर जिले के कांग्रेसियों ने पटाखे फोड़कर खुसी का इजहार किया है,क्या अब उन पर कानूनी कार्यवाही होगी,ऐसा ही जब कलेक्टर के तबादले पर किया गया था तब कांग्रेसियों की पुलिस थाने में परेड हुई थी।अब देखना है की क्या जिले के मुखिया मामले में यह मान लेते हैं की एस डी एम भ्रष्टाचार में लिप्त थीं और पटाखा फोड़ना सही था यह वह इस कृत्य के लिए कांग्रेसियों पर कार्यवाही की अनुशंसा करते हैं और विभाग की साख बचाने का प्रयास करते हैं।

क्या गंगाजल से कार्यालय होगा शुद्ध,क्या नहीं होगा आगे भ्रष्टाचार?

जिले के कांग्रेसियों ने खड़गवां एस डी एम कार्यालय को गंगाजल से शुद्ध करने का प्रयास किया है,कांग्रेसियों ने एस डी एम के तबादले के बाद यह निर्णय लिया है और एस डी एम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कार्यालय इसलिए शुद्ध करने की बात उन्होंने की है की कार्यालय में भ्रष्टाचार होता था,अब क्या गंगाजल से कार्यालय शुद्ध करने के बाद आगे से कार्यालय में भ्रष्टाचार नहीं होगा यह बड़ा सवाल है। क्या अब आने वाले नए अधिकारी इस बात को भी गंगाजल की शपथ लेकर निभायेंगे की आने वाले समय में कार्यालय में भ्रष्टाचार नहीं होगा यह देखने वाली बात होगी।

एसडीएम भरतपुर सोनहत विधायक की थीं करीबी,विरोध करने वाले कांग्रेसी मनेद्रगढ़ विधायक के करीबी,क्या विरोध विधायकों का आपसी टकराव?

जिस एस डी एम के तबादले पर कांग्रेसी नेताओं ने पटाखे फोड़े हैं वह भरतपुर सोनहत विधायक की करीबी थीं और उन्हें विधायक का खास माना जाता था वहीं जिन कांग्रेसियों ने एसडीएम के तबादले पटाखे फोड़े हैं और गंगाजल से कार्यालय शुद्ध करने का प्रयास किया है वह मनेंद्रगढ़ विधायक के समर्थक हैं और उनके खास हैं,पूरे मामले में यह भी सवाल उठ रहा है की क्या मामला दो विधायकों के आपसी टकराव का है।क्या दोनो विधायक एस डी एम के मामले में आमने सामने हैं। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है की जबतक एस डी एम मनेद्रगढ विधायक के क्षेत्र से दूर थीं और जिले में ही पदस्थ थीं उनका विरोध नहीं हुआ और जैसे ही मनेंद्रगढ़ विधायक के क्षेत्र में वह पहुंची उनका विरोध होने लगा।

एसडीएम का पहले भी हुआ था तबादला,उस समय तबादला हुआ था निरस्त

एस डी एम जिनके तबादले पर कांग्रेसी जश्न मना रहें हैं उनका पूर्व में भी तबादला हो चुका था और उस समय तबादला निरस्त हुआ था और माना जाता है की एक विधायक ने उस समय तबादला निरस्त कराने में अधिकारी की मदद की थी,उस समय अधिकारी का तबादला गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में हुआ था और जिसे निरस्त करते हुए उन्हें जिले में ही रखा गया था।

फर्जी जाति प्रमाण-पत्र को ले कर युवा मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री का पुतला दहन

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। भुपेश बघेल का पूतला दहन युवा मोर्चा एसटी एसएसी मोर्चा कोरिया ने किया एसटी एससी समाज के युवाओं पर अत्याचार उत्पीड़न एवं उनके अधिकारों का हनन के विरोध में भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर एवं भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में और भाजयुमो जिला अध्यक्ष हितेश सिंह एवं अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान के नेतृत्व में आज समाज के युवाओं द्वारा फर्जी जाति प्रमाण पत्र के जॉच एवं उस पर कार्यवाही नहीं करने के विरोध में छत्तीसगढ़ की सरकार ने युवाओं के प्रति हमेशा दोहरा चरित्र अपना कर युवाओं को ठगा है किसी भी मोर्चे पर सरकार ने युवाओं के लिए कुछ नहीं किया और युवाओं की समस्या का निराकरण करने के बजाय उन्हें जेल भेजा जा रहा है इन्हीं कारणों से आज युवा मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष कोरिया हितेश प्रताप ने कहा की भूपेश सरकार हमेशा से पैसों के लिए कुछ भी कर सकती है यह लोग छत्तीसगढ़ महतारी के बेटों पर अत्याचार कर रहे है युवाओं ने जब फर्जी जाती निवाश प्रमाण पर बनने के विरोध किया तो उनको जेल में डाल दिया गया एवं प्रताड़ित किया गया अगर उन पर अत्याचार होना नहीं बंद हुआ तो भाजयुमो उग्र प्रदर्शन करेगी।

जिसमें भाजयुमो प्रदेश कार्यस्मिति सद्स्य सतेन्द्र रजवाड़े,भाजयुमों जिला महामंत्री कुणाल जायसवाल, प्रखर गुप्ता, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सच्चिदानंद द्विवेदी, उमा शंकर बंटी,जिला मंत्री अनिल राजवाड़े, जिला कोषाध्यक्ष अंजय तिवारी, शरद सिंह, पंकज दुबे, चंदन राजवड़े, अजय कुर्रे, रोशन विश्वकर्मा,रवि दुबे, लव कुमार रवि, श्री राम, संतोष कुमार साहू, प्रकाश राजवाड़े, राम प्रकाश, विकाश दुबे, डी कुमार सूर्यवंशी ,महेन्द्र कुर्रे, धर्मपाल, अभय दुबे,सोनू सोनवानी, देवी प्रसाद, राम प्रकाश चक्रधारी टाकेश्वर, धर्मजीत सोनवानी, परमेश्वर कुमार, विशाल कुमार, अशोक, राहुल, राम कुमार, श्रवण कमार, ध्रुवराज जयसवाल,प्रवेन्द्र सिंह, विकाश दुबे, रौशन रजवाड़े अशीष रॉबट, अनूप, देवी प्रशाद, प्रकाश कुमार रजवाड़े,डी. कुमार, आशीष यादव, रोशन, अभय दुबे, सुरेश राजवाड़े, मनोज साहू एवं भाजयुमो एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं के उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जिला बदर की कार्यवाही के लिए प्रतिवेदन किया गया प्रस्तुत

बिल्डर संजय अग्रवाल के विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही हुई शुरू

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। बैकुंठपुर के बिल्डर संजय अग्रवाल के विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही हुई शुरू,जिला बदर की कार्यवाही के लिए प्रतिवेदन किया गया प्रस्तुत, कोरिया जिले के जिला मुख्यालय के निवासी बिल्डर संजय अग्रवाल की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं उनके ऊपर जिला बदर की कार्यवाही हो सकती है और जिसका प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा चुका है जो सामने आया है।

कई मामलों में अभियुक्त करार दिए जा चुके बिल्डर के ऊपर जिला बदर की कार्यवाही जिला दंडाधिकारी की तरफ से की जानी है और इसके लिए चिरमिरी निवासी आरटीआई एक्टिविस्ट राजकुमार मिश्रा को नोटिस जारी कर साक्ष्य सहित उपस्थित होने आदेशित किया गया है

जिसके बाद जिला बदर की कार्यवाही संभव है।

आगामी चुनाव को लेकर आईजी के नेतृत्व में आयोजित हुई अंतर्राज्यीय संयुक्त बॉर्डर समीक्षा

पडोसी राज्य मध्य प्रदेश के जिला शहाडोल,अनुपपुर,सिधी, सिंगरौली एवं छत्तीसगढ़ के जिला कोरबा, कोरिया,सूरजपुर,गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारी हुये शामिल

- शांति एवं सौहार्द्रपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने हेतु विभिन्न विषयों पर की गई विस्तृत चर्चा

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के लेदरी हसदेव हाउस में आज आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अंतर्राज्यीय संयुक्त बॉर्डर समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सरगुजा रेंज के सुरजपुर, कोरिया, एवं बिलासपुर रेंज के गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही एवं कोरबा जिला के साथ पडोसी राज्य मध्य प्रदेश के जिला शहाडोल, अनुपपुर, सिधी, सिंगरौली के पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारी हुये सम्मिलित हुये।

समीक्षा बैठक में एडीजी मध्य प्रदेश श्री दिनेष चन्द्र सागर, शहडोल कमिश्नर श्री राजीव शर्मा सरगुजा कमिश्नर श्रीमती शिखा राजपुत तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री रामगोपाल गर्ग, एमसीबी कलेक्टर श्री नरेन्द्र दुग्गा, एमसीबी पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, कोरिया कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह कोरिया पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल, कलेक्टर गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही श्रीमती प्रियंका ऋषि, पुलिस अधीक्षक गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही योगेश पटेल, कलेक्टर शहडोल श्रीमती वंदना वैद्य, पुलिस अधीक्षक शहडोल प्रतीक श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक अनुपपुर श्री जितेन्द्र सिंह पवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुपपुर श्री अभय सिंह, पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई.कल्याण एलिसेला, जिला कोरबा डिप्टी कलेक्टर रूचि सारदुल नगर पुलिस अधीक्षक दर्री राबिनसन गुरिया, जिला सीधी एस.डी.ओ कुसमी आर.के.सिन्हा, एस.डी.ओ.पी. कुसमी रोषिनी सिंह ठाकुर जिला सिंगरौली से एस.डी.एम श्री माईकल तिर्की, एस.डी.ओ.पी विरेन्द्र भारवे, सूरजपुर से एस.डी.एम रामानुजनगर नंदजी पाण्डेय सम्मिलित हुये। इस अवसर पर मनेन्द्रगढ़ -चिरमिरी-भरतपुर जिले के अति. पुलिस अधीक्षक निमेष बरैया, डीएसपी रूपेष डांडे, एसडीओपी मनेन्द्रगढ़ राकेश कुर्रे, रक्षित निरीक्षक हेमन्त टोप्पो, थाना प्रभारी झगराखांड दीपेश सैनी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक का उद्देश्य जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ सम्पूर्ण जिले में शांतिपूर्ण एवं सौहार्द्र वातावरण में चुनाव सम्पन्न कराना है

समीक्षा बैठक का उद्देश्य जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ सम्पूर्ण जिले में शांतिपूर्ण एवं सौहार्द्र वातावरण में चुनाव सम्पन्न कराना है। इस अवसर पर चुनाव के दौरान किसी भी तरीके के नकारात्मक गतिविधियों को रोकने के लिए एजेण्डावार विचार-विमर्श करते हुए सभी क्षेत्रों के संबंध में आवश्यक जानकारी/सूचनाओं का आदान-प्रदान एवं विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सीमावर्ती जिलों, अनुभागों एवं थाना क्षेत्र के संबंध में जानकारी साझा की गई। जिन क्षेत्रों में लोगों का आवागमन होता है उन सभी क्षेत्रों में नाका प्वाईंट लगवाने के संबंध में, गुण्डा-बदमाश, अपराधियों एवं स्थायी वारंटियों के धरपकड़ के संबंध में अन्य राज्यों से भी कार्यवाही हेतु अपेक्षित सहयोग प्रदान करने के संबंध में चर्चा की गई। सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस, राजस्व सहित विभिन्न विभागों में आपसी समन्वय बेहतर करने के संबंध में चर्चा की गई। क्षेत्र के संवेदनशील हॉट-स्पॉट का चिन्हांकन करने, पुलिस के सूचना तंत्र को मजबूत करने, अवैध शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए संयुक्त मैकेनिज्म को कारगर बनाने एवं फिक्सड पिकेट के साथ मोबाइल चेकिंग के संबंध में आवश्यक जानकारियों को साझा किया गया। इसके अलावा सम्पूर्ण विधानसभा चुनाव के दौरान संचार व्यवस्था को बेहतर बनाये रखने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस महानिरीक्षक श्री रामगोपाल गर्ग ने मनेन्द्रगढ़ -चिरमिरी -भरतपुर की सीमा से लगने वाले पडोसी राज्य के जिला अनुपपुर, शहडोल, सिधी, सिंगरौधी के बॉर्डर पर चेकपोस्ट एवं सभी चेकपोस्ट पर सीसीटीव्ही कैमरा लगाकर सर्तकतापूर्वक निगरानी कर बेहतर कार्य करने तथा पुलिस की गतिविधिया और बढ़ाने के संबंध में विस्तृत चर्चा कि गई और अगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

जिले के भौगोलिक स्थिति एवं अगामी विधानसभा चुनाव रणनीति के संबंध में बिन्दुवार जानकारी दी

पुलिस अधीक्षक मनेन्द्रगढ़ -चिरमिरी-भरतपुर सिद्धार्थ तिवारी ने पावर प्वाईन्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से जिले के भौगोलिक स्थिति एवं अगामी विधानसभा चुनाव रणनीति के संबंध में बिन्दुवार जानकारी दी सीमावर्ती क्षेत्रों में नाकाबंदी/एसएसटी प्वाईन्ट में पुलिस कि गतिविधिया बढाने के संबंध में विस्तृत चर्चा कि गई। बॉर्डर क्षेत्रों से कई बार अवैध नशीली एवं मादक पदार्थो की तस्करी एवं अन्य कई गम्भीर अपराधिक गतिविधिया प्ररिलक्षित होती रहती है जिन्हे रोकने के लिये आपसी समन्वय बेहद आवश्यक है। इसलिये उन्होने जिले में सफलतापूर्वक चुनाव सम्पन्न कराने के लिये पडोसी राज्यों के जिलों सहित सीमावर्ती जिले के पुलिस एवं जिला प्रशासन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी की आपसी समन्वय सहभागिता को बेहद आवश्यक बताया।

दावेदारी करना अलग बात है,मौका देना ऊपर वाले के हाथ है:विनय उपाध्याय

2010 में एसईसीएल से मिला था 156200 का काम,जिससे हुई थी व्यवसाय की शुरुआत,आज अरबों का काम है इनके पास

» टी एस बाबा के कार्य से प्रभावित होकर कांग्रेस की विचारधारा से भी हुआ जुड़ाव:विनय उपाध्याय

» चिरमिरी में जन्मे और अब अपने क्षेत्र के लिए कुछ करने के उद्देश्य से राजनीति में आना चाहते हैं विनय उपाध्याय

» विनय उपाध्याय के सफल व्यवसाय से हजारों को मिला है रोजगार

» इनके सानिध्य में एक हजार से ज्यादा लोग कर रहे काम,जिनके पास नहीं था कोई रोजगार

» आइए जानते हैं इंजीनियर व विधायक प्रत्याशी के दौड़ में शामिल विनय उपाध्याय के बारे में

विनय उपाध्याय की दैनिक घटती घटना से खास बातचीत

-रवि सिंह-

चिरमिरी/मनेन्द्रगढ़,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ विधानसभा में विधानसभा चुनाव को लेकर विधायक प्रत्याशी के चेहरे की तलाश हो रही है, इस समय वर्तमान विधायक डॉक्टर विनय जयसवाल को दोबारा मौका मिलेगा कि नहीं इस बात पर संदेह जताया जा रहा है, वही उन्हीं के हम नाम वाले व्यक्ति विनय उपाध्याय को विधानसभा प्रत्याशी के तौर पर तैयार किए जाने की खबर है, जिस पर हमने विनय उपाध्याय से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि अभी तक मुझे नहीं पता है कि मैं विधानसभा प्रत्याशी हो सकता हूं, पर यह जरूर है यदि पार्टी मौका देती है तो क्षेत्र की जनता व पार्टी दोनों को निराश नहीं करूंगा, दावेदारी करना अलग बात है और मौका देना ऊपर वाले के हाथ है, पार्टी का सदस्य हूं पार्टी की विचारधाराओं से जुड़ा हुआ हूं, पार्टी के लिए यदि कुछ करने का मौका मिलता है तो पीछे नहीं हटूंगा और मेरा प्रत्याशी बनना तय है ऐसी बात नहीं है, हां इस समय मेरे नाम को लेकर क्षेत्र में चर्चा है मुझसे भी लोग पूछते हैं पर मैं यही कहता हूं कि फैसला मेरा नहीं पार्टी का होगा, पार्टी यदि मुझे प्रत्याशी तय करती है तो मैं जरूर लड़ूंगा, हां यह बात अलग है की जनसंपर्क कर रहा हूं लोगों से मुलाकात हो रही है मेरे समर्थक चाहते हैं कि मैं चुनाव लड़ू, इस समय आप के बैनर पोस्टर खूब लग रहे हैं इस पर जब घटतीघटना ने उनसे पूछा तो उन्होंने कहा कि मेरे समर्थक लगा रहे हैं इस बात की जानकारी मुझे भी मिली है पर मुझसे बिना बताए या पूछे लगाया गया है समर्थकों का स्नेह व प्रेम है, बैनर पोस्टर लगने से प्रत्याशी तय नहीं होते, प्रत्याशी तय होने के लिए बहुत चीजों के पैरामीटर पर खरा उतरना पड़ता है, यदि उस पैरामीटर पर मैं खरा उतरूंगा तो पार्टी मुझे भी टिकट दे सकती है।

दैनिक घटती घटना से चर्चा करते हुए विनय उपाध्याय ने कहा कि मेरा प्रत्याशी बनना तय है यह नहीं है यह समय की बात है पर यदि प्रत्याशी बनता हूं और मुझे कांग्रेस मौका देती है तो उसके भरोसे को कायम रखने का प्रयास करूंगा, जनता सर्वोपरि है जनता के लिए कुछ करने का मौका मिलेगा तो जरूर करूंगा, बतौर जनप्रतिनिधि मेरा प्रयास रहता है कि जनता के लिए जो बन सके करो यही वजह है कि मैं अपने व्यवसाय में लोगों को रोजगार देने का प्रयास करता हूं, अपने व्यवसाय को बढ़ाना का उद्देश सिर्फ क्षेत्र के लोगों को रोजगार देना है। मैं अपने कार्यों से कितने लोगों को रोजगार दे सकता हूं इस पर मैं काम करता हूं यही वजह है कि आज मेरे साथ तकरीबन 1000 लोग काम कर रहे हैं यह भी एक सेवा ही है जिसे समझने की जरूरत है।

विनय उपाध्याय के जीवन पर डालते हैं प्रकाश

विनय उपाध्याय के पिताजी स्वर्गीय मुक्तिनाथ उपाध्याय जो 1962 में एसईसीएल में मेडिकल स्टाफ के पद पर पदस्थ हुए और उसी समय उनका चिरमिरी आगमन हुआ, स्वर्गीय मुक्तिनाथ उपाध्याय के चार बच्चे थे जिसमें 3 लड़की और एक लड़का था जिनका नाम विनय उपाध्याय जिनका जन्म 26 दिसंबर 1976 में चिरमिरी के डोमानहिल में हुआ, कक्षा पहली से लेकर 12वीं तक की शिक्षा इन्होंने केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी से पूरी की इसके बाद दिल्ली में इन्होंने कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की डिग्री 1999 में प्राप्त की, देश के प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में इन्होंने तकरीबन 4 साल नौकरी की इसके बाद 2010 में पहली बार एसईसीएल से इन्हें 156200 का पहला टेंडर मिला जिसके बाद इन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा आज अरबों का काम इनके पास मौजूद है जिसमें हजारों लोग को रोजगार भी मिला हुआ है। पिताजी इनके 1998 में एसईसीएल से सेवानिवृत्त हुए और इनके पिताजी का निधन 25 जनवरी 2023 में हुआ।

टीएस बाबा के विचारों से प्रभावित होकर राजनीति में किया प्रवेश

इंजीनियर एवम चिरमिरी क्षेत्र के सफल व्यवसाई विनय उपाध्याय बताते हैं सरगुजा महराज और वर्तमान में उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव के सानिध्य में उनसे प्रेरित होकर उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को उन्होंने अपनाया,विनय उपाध्याय मुख्य रूप से टी एस सिंहदेव समर्थक माने जाते हैं और वह उन्हीं को अपना राजनीतिक प्रेरणा का मुख्य व्यक्ति बताते हैं। व्यवसाय में सफल एवम क्षेत्र में लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे विनय उपाध्याय चिरमिरी के साथ ही अविभाजित कोरिया जिले के बड़े व्यवसाइओं में गिने जाते हैं।

सफल व्यवसाई में आती है इनकी गिनती

विनय व्यवसाय में काफी सफल हैं और उन्होंने क्षेत्र में रोजगार भी बेरोजगारों को उपलब्ध कराया है। विनय उपाध्याय जो इंजीनियर बनकर पहले नौकरी करने निकले थे और बाद में उन्होंने खुद का व्यवसाय आरंभ किया जिसे आज उन्होंने सफलता के शीर्ष तक पहुंचाया है। चिरमिरी क्षेत्र में कई लोगों ने व्यवसाय किया और कई चले भी गए लेकिन विनय उपाध्याय एक ऐसे व्यवसाई साबित हुए जिन्होंने चिरिमिरी का साथ कभी नहीं छोड़ा और आज भी वह चिरमिरी में ही रहकर व्यवसाय कर रहें हैं और लोगों को रोजगार प्रदान कर रहें हैं।

डॉक्टर विनय जयसवाल के विकल्प में इंजीनियर विनय उपाध्याय की चर्चा जोरों पर

अचानक डॉ विनय जायसवाल के विकल्प के तौर पर इंजीनियर विनय उपाध्याय के विकल्प होने की संभावना जगने लगी है, बहुत तेजी से विनय उपाध्याय का नाम इस समय मनेंद्रगढ़ विधानसभा में चल रहा है, बैनर पोस्टर भी तेजी से लगने लगे हैं संभावनाओं के बाजार गरम हो चुके हैं बाकी टिकट मिलना समय की बात है, अब तो पत्रकार भी वर्तमान विधायक से विनय उपाध्याय की बात पूछने लगे जिस पर वह बोलने से कुछ भी बच रहे हैं पर उनके लिए भी विनय उपाध्याय अब खतरा बनने लगे हैं।

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में प्रारंभ हो रहा है नया अध्याय

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में इस समय विनय उपाध्याय के बड़े-बड़े बैनर पोस्टर शहरों में दिखने लगे हैं जिसमें एक लाइन लिखा के आ रही है वह लाइन है, मनेंद्रगढ़ विधानसभा में प्रारंभ हो रहा नया अध्याय जो है विनय उपाध्याय, विनय उपाध्याय को मनेद्रगढ विधानसभा के नए अध्याय के तौर पर प्रस्तुत किया जा रहा है, उनके समर्थकों द्वारा अब देखना यह होगा कि विनय उपाध्याय के लिए वाकई में विधानसभा चुनाव 2023 नया अध्याय बनेगा?

जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से इलेक्ट्रिक शवदाह की सुविधा से वंचित है लोग

-संवाददाता-

खड़गवां,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण लाखो रुपये खर्च करके चिरमिरी में लगाये गए इलेक्टिक शवदाह की सुविधा का कोई लाभ चिरमिरी के नागरिकों को पिछले 6 साल से नही मिल पा रहा है और बरसात के मौसम में चिरमिरी के नागरिकों को शवदाह की लकड़ियों के लिए बेवजह परेशान होना पड़ रहा है ।

उपरोक्त बाते भाजपा के एमसीबी जिले के कोषाध्यक्ष मुकेश जायसवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है । जायसवाल ने चिरमिरी वासियो की सुविधा के लिए 6 साल पहले भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने विशेष पहल कर लाखो रुपये की लागत से चिरमिरी में इलेक्ट्रिक शवदाह की स्थापना की थी । उस समय यह पूरे छतीसगढ़ का दूसरा इलेक्ट्रिक शवदाह गृह था । इससे पूर्व भिलाई में इसकी स्थापना की गई थी । लेकिन कांग्रेस के स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण इसका कोई लाभ एक दिन भी स्थानीय जनता को नही मिल सका है । उपयोग में नही होने के कारण धीरे धीरे यह मशीन कबाड़ में तब्दील होती जा रही है ।

श्री जायसवाल ने आगे कहा कि बरसात के दिनों में सुखी लकड़ियों के नही मिलने के कारण लोगो को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । वहीं पर्यावरण की समस्या के कारण भी लोगो को सुखी लकड़ियां उपलब्ध नही हो रही है । लेकिन यह चिरमिरी के नागरिकों का दुर्भाग्य है कि उनके जन प्रतिनिधयों की उदासीनता के कारण उनके शहर में इलेक्ट्रिक शवदाह की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें इसका कोई लाभ नही मिल पा रहा है । भाजपा नेता मुकेश जायसवाल ने एमसीबी कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा से मांग की है कि वे जल्द से जल्द इसे अपने संज्ञान में लेकर चिरमिरी में स्थापित इलेक्ट्रिक शवदाह मशीन को चालू कराए ।

धू-धू कर जला मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला

» युवा मोर्चा व अनुसूचित जाति-जनजाति मोर्चा ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के विरोध में जमकर किया हल्ला बोल प्रदर्शन

» भाजयुमो ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 29 युवाओ को जेल से रिहा करने की रखी मांग

-संवाददाता-

सूरजपुर,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग को जारी किए गए 267 फर्जी जाति प्रमाण पत्र को निरस्त करते हुए उन पर दंडात्मक कार्यवाही करने के लिए लगातार तीन वर्षो से मांग कर रहे अनुसूचित जनजाति व जाति वर्ग के युवाओ की मांग 3 वर्ष में भी पूर्ण नहीं होने पर एकदिवसीय पूर्व प्रशासन को सूचना देकर प्रदेश की राजधानी रायपुर विधानसभा रोड में नग्न प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की गाड़ी के आगे आकर अपनी मांगों को रखते हुए नग्न होकर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया जिसके बाद में प्रदर्शन प्रदेश की अंधा कानून सरकार और उस सरकार के मुखिया भूपेश बघेल के द्वारा उन तमाम युवाओं की मांग पूर्ण करने की बजाय या उनकी बात सुनने की बजाय नंद प्रदर्शन कर सरकार का विरोध करने वाले अनुसूचित जनजाति व अनुसूचित जाति वर्ग के 29 युवाओं को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया. इस हेतु भूपेश बघेल के विरोध में और इन युवाओं के समर्थन में

अनुसूचित जाति व जनजाति मोर्चा एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सूरजपुर के द्वारा संयुक्त रूप से युवाओं के समर्थन में भूपेश बघेल सरकार का विरोध करते हुए सूरजपुर जिला मुख्यालय स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय नवापारा से पैदल मार्च कर शहर के स्थानीय अग्रसेन चौक पर जमकर हल्ला बोलते हुए प्रदेश सरकार के विरोध में नारेबाजी के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला फूंका गया इस दौरान कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने जमकर जुम्मा झटकी भी हुई.

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल, अजय गोयल, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती, भाजपा जिला महामंत्री मुरली मनोहर सोनी, जिला उपाध्यक्ष भूलन सिंह मरावी, पुष्पा सिंह, अनुप सिन्हा, कौशल सिंह, सुरेश सिंह, संत सिंह, महेश्वरी शर्मा, किरण खेश, किरण केराम, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल, पार्षद अजय सिंह, सरोज साहू, भाजयुमो जिला महामंत्री सावन गोयल, दुर्गा गुप्ता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विवेक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष यशवंत प्रताप सिंह, जिला मंत्री अभय तिवारी, मंडल अध्यक्ष पवन बरमन, अवनीश सिंह, सुरेश सोनी, शहर महामंत्री संस्कार अग्रवाल, शांतनु सिंह चौहान, अंकित चौहान, सनी मिश्रा, विनय दास, राजेंद्र पाटले, सुमित साहू, किशोरी मंडल, जीतू मानिकपुरी, सुरजीत कुमार, राजकुमार यादव, संदीप जायसवाल, रूपेंद्र कुशवाहा, राकेश महाराज, तुषार ठाकुर, राजकुमार यादव, गगनदीप सिंह बग्गा, रंजन सोनी, लोकनाथ बैगा, अमन साहू, गुप्तेश्वर साहू, कार्तिक राजवाड़े, सचिन, विकाश साहू, हृदय सिंह सहित काफी संख्या में भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जाती व जनजाति मोर्चा, भारतीय जनता युवा मोर्चा, महिला मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता काफी संख्या में सक्रिय रहे.

आखिरकार नगर पंचायत अध्यक्ष के कामकाज से नाखुस पार्षदो ने अध्यक्ष के खिलाफ कलेक्टर को ज्ञापन सौपा

-उपेश सिन्हा-

कुसमी,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। नगर पंचायत कुसमी के जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार का मामला सामने आने के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लगाकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांगी की है, दरसल जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत कुसमी में विगत 28 जून 2023 को परिषद की बैठक में पक्ष विपक्ष दोनों के पार्षदो ने टैक्टर खरीदी में सीएमओ एवं अध्यक्ष के द्वारा भारी अनिमियता बरते हुए जमकर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया गया था,वही इस मामले के सामने आने के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष से पार्षद गण काफी नाराज चल रहे हैं,नगर पंचायत अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के है लेकिन कांग्रेस के भी कई पार्षदों के द्वारा इस मामले में आवाज उठाई गई है लेकिन कोई करवाही नही होने पर अब अविश्वास प्रस्ताव लगाकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर करवाही की मांग पार्षदों ने की है, बहरहाल नगर पंचायत कुसमी के जनप्रतिनिधियों ने अध्यक्ष और सीएमओ के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर मोर्चा खोल दिया है अब देखने वाली बात होंगी की इस मामले में आगे क्या कार्यवाही देखने को मिलता है।

पशु तस्करी मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

प्रतापपुर,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। प्रतापपुर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए अवैध कारोबारियों पर शिकंजा कसते हुए हड़कंप मचा दिए हैं तथा आरोपियों में पुलिस का भय और पुलिस की हो रही क्षेत्र में लगातार प्रशंसा के बाद थाना प्रभारी किशोर केरकेटा के नेतृत्व में प्रतापपुर पुलिस ने पशु तस्कर करते हुए 3 आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेज दिए बताया जा रहा है कि सूरजपुर एसपी के द्वारा लगातार क्षेत्र में अवैध कारोबार पर अंकुश लगाते हुए तथा मवेशियों को बूचड़खाने ले जाते हुए1.कदम रसूल पिता ज्ञासुद्दीन उम्र 35 वर्ष सा. को दौरा को दौरा चौकी दौरा जिला बलरामपुर 2.क्यामुद्दीन अंसारी पिता रसूल अंसारी उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम मानपुर थाना रंका जिला गढ़वा झारखंड हाल मुकाम प्रतापपुर सरना पारा 3.ठाकुरी प्रसाद पिता सामदेव जाति पनिका उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम चांचीडांड़ थाना प्रतापपुर 4 फरार आरोपी राजेन्द्र पिता सियाराम जाति पनिका सा सिलौटा थाना प्रतापपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है जिनके पास से 18 गाय को बूचड़ खाना जाना कबूल किया गया जिनको रात्रि कालीन घेराबंदी कर उक्त आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा एवं न्यायिक हिरासत में धारा 4 6 10 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जेल भेज दिया गया है

राजीव युवा मितान क्लब द्वारा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल का किया जा रहा आयोजन

-संवाददाता-

कोरबा,19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। हरेली तिहार के साथ छत्तीसगढ़ राज्य में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों का शुभारम्भ हो गया हैं। कोरबा जिले मे भी पूरे जोश के साथ शासन द्वारा गठित राजीव युवा मितान क्लब खेल आयोजन कराने को लेकर सक्रिय है। इसी कड़ी में राजीव युवा मितान क्लब के जिला समन्वयक एवं विधानसभा समन्वयक अभय तिवारी ने विभिन्न क्लबों का दौरा कर उत्साहवर्धन कर रहे हैं। वार्ड क्रमांक 25 एवं 42 के क्लबों मे खेल आयोजन में पहुंचे राजीव युवा मितान

क्लब के विधानसभा समन्वयक व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर अभय तिवारी ने कहा कि ये मात्र खेल नहीं, बल्कि हमारे जीवन को अनुशासित रखने का माध्यम भी हैं तथा छत्तीसगढ़ की जनता इससे वाकिफ हो सके।उन्होंने अपील किया कि छत्तीसगढ़ कि जनता अपने पारम्परिक खेलों में रूचि लेते हुए प्रदेश का मान भी बढ़ाएं। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से वार्ड पार्षद शैलेन्द्र सिंह,जिला कॉग्रेस कमेटी के सयुंक्त महामंत्री राजेश यादव ,मो. आबिद अली, राजू वर्मन, अफताब खान, कुसुम मिश्रा आदि क्लब के सदस्यगण उपस्थित थे।

धड़ल्ले से बिना अनुमति के हो रही नीलगिरी की कटाई

-राजा मुखर्जी-

कोरबा 19 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरबा के पोड़ी उपरोड़ा सब डिवीजन के जटगा में नीलगिरी के पेड़ों की कटिंग का काम बड़े पैमाने पर चल रहा है। सूत्रों के अनुसार स्थानीय सरपंच द्वारा इस काम को अंजाम देने की बात सामने आ रही है साथ ही उसके द्वारा दावा किया जा रहा है कि पेड़ की कटाई के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत उसे नहीं है जिसपर स्थानीय लोगों ने उक्त मामले की जानकारी एसडीएम को अवगत करा दि है। उक्त मामला तब सामने आया जब पेड़ों के दरख्तों को ट्रांसपोर्ट किया जा रहा था तब कुछ लोगों ने वाहन रूकवाकर पूछताछ की जिसका उन्होंने वीडियो भी बनाया। तब स्पष्ट हुआ कि नीलगिरी के पेड़ आसपास के इलाके में लगे हुए थे जिनकी कटाई सीधे तौर पर सरपंच के द्वारा कराई गई है जिसे जटगा के ग्रामीण बैंक के पास स्टोर कर के रखा गया है। वर्तमान में काफी संख्या में कटाई के नमूने यहां पर रखे हुए हैं।

जानकारी मिली कि नीलगिरी से संबंधित पेड़ राजस्व दायरे में लगे थे द्य ऐसे सभी मामलों में पेड़ों की कटिंग-छटिंग करने के लिए नियमानुसार एसडीएम से अनुमति लेना जरूरी होतद्ध है और इसके अभाव में कार्यवाही का भी प्रावधान है। इस पूरे मामले की विस्तृत जानकारी एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा के संज्ञान में दिया गया है जिस पर उन्होंने उक्त मामले की जांच करवाने और अग्रिम कार्यवाही करने की बात कही है।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जता है कि मैं पुराना नाम गणेश तिवारी पिता स्वर्गीय राधेश्याम तिवारी अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम संजय तिवारी उर्फ संजू पिता स्वर्गीय राधेश्याम तिवारी पता प्रेमाबाग बैकुण्ठपुर कोरिया रख लिया हूं अतः अब भविष्य में समस्त शासकीय अशासकीय अन्य दस्तावेजों में नया नाम संजय तिवारी उर्फ संजू पिता स्वर्गीय राधेश्याम तिवारी के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
संजय तिवारी उर्फ संजू
पता- प्रेमबाग,बैकुण्ठपुर,कोरिया

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ0ग0)

ईश्तहार

ई-कोर्ट क्र........../ब-121/2022-23

सर्व साधारण ग्राम बैकुण्ठपुर रा0नि0म0 बैकुण्ठपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छ0ग0 तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 जमसेद आ0 मो0 जलालुदीन जाति मुसलमान, निवासी ग्राम बैकुण्ठपुर जिला- कोरिया छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र वास्ते आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप में अपनी पुत्री नगमा परवीन के लिये प्रमाण पत्र प्रदाय करने का आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोईआपत्ति हो तो वे दिनांक 21/07/2023 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगां

जारी दिनांक -21/06/2023

सील | तहसीलदार बैकुण्ठपुर

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ0ग0)

ईश्तहार

ई-कोर्ट क्र........../ब-121/2022-23

सर्व साधारण ग्राम बैकुण्ठपुर रा0नि0म0 बैकुण्ठपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छ0ग0 तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 जनसेद आ0 मो0 जलालुदीन जाति मुसलमान, निवासी ग्राम बैकुण्ठपुर जिला- कोरिया छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र वास्ते आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप में अपने पुत्र नदीम के लिये प्रमाण पत्र प्रदाय करने का आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोईआपत्ति हो तो वे दिनांक 21/07/2023 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगां

जारी दिनांक -21/06/2023

सील | तहसीलदार बैकुण्ठपुर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सौवें टेस्ट में रहाणे की नजरें रनों पर

वेस्टइंडीज,19 जुलाई 2023। वेस्टइंडीज के खिलाफ बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट में भारतीय टीम की नजरें 'क्लीन स्वीप' पर होंगी जबकि अजिंक्य रहाणे बड़ी पारी खेलकर अपने कैरियर को विस्तार देने की कोशिश में होंगे। यह मैच दोनों टीमों के बीच सौवां टेस्ट भी है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि यह बड़ा मौका है और उनकी टीम पहले मैच की तरह अपना दबदबा बनाये रखने का प्रयास करेगी। डोमिनिका में पहले मैच में भारत ने एक पारी और 141 रन से जीत दर्ज की थी। यहां कल से शुरू हो रहे टेस्ट के बाद भारत को अब दिसंबर जनवरी में ही दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट खेलना है। यानी रहाणे जैसे खिलाड़ियों के लिये उस श्रृंखला की टीम में चयन की दावेदारी पुख्ता करने का यह आखिरी मौका है। पिछले 18 महीने में पहला टेस्ट खेलते हुए रहाणे ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन डोमिनिका में मौके नहीं मिल सके क्योंकि भारत ने एक पारी में ही बल्लेबाजी की।

ऐसी प्रबल संभावना है कि भारतीय टीम फिर एक ही बार बल्लेबाजी करेगी। ऐसे में रहाणे को पूरा फायदा उठाना होगा क्योंकि दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले श्रेयस अय्यर भी फिट हो जायेंगे। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड ने इस मैच से पहले कहा था कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये भारत को रहाणे के फॉर्म में रहने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा ,''तकनीक पर तो आप लगातार काम करते हैं लेकिन मुझे उनके स्थिर रवैये ने प्रभावित किया। वह गेंद को देर से खेल रहा था और शरीर के पास भी। वह नेट्स पर भी ऐसे ही खेल रहा है।दक्षिण अफ्रीका के हालात में ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होगी।'' पहला मैच तीन दिन के भीतर ही जीतने वाली टीम में ज्यादा बदलाव की गुंजाइश तो नहीं है लेकिन देखना होगा कि खराब प्रदर्शन कर रहे तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को फिर मौका मिलता है या नहीं। 31 वर्ष के उनादकट ने 13 साल में तीन ही टेस्ट खेले हैं। डोमिनिका में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला और उन्होंने नौ ओवर ही डाले। पहले मैच में स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की तूती बोली। इस मैच में भी पिच टर्निंग होने की संभावना है जिससे कैरेबियाई टीम में बल्लेबाजी हरफनमौला रेमन रीफर की जगह स्पिन हरफनमौला केविन सिनक्लेयर को शामिल किया गया है। भारतीय टीम ऐसे में उनादकट की जगह एक और स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल को उतार सकती है। शार्दुल ठाकुर को भी मौका मिल सकता है जिनकी बल्लेबाजी में काफी सुधार आया है। पदार्पण टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने यशस्वी जायसवाल इस लय को कायम रखना चाहेंगे। शुभमन गिल तीसरे नंबर पर उतरने के बाद 11 गेंद ही खेल सके और वह भी बड़ी पारी खेलने को बेताब होंगे। दिसंबर 2018 से विदेश में शतक नहीं लगा सके विराट कोहली उस कमी को पूरा करना चाहेंगे।वहीं पदार्पण टेस्ट में पहला रन बनाने के लिये 20 गेंद तक इंतजार करने वाले ईशान किशन को भी मौके का इंतजार होगा।

वेस्टइंडीज के लिये पदार्पण करने वाले एलिक अथानाजे को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सका। उसे तेज गेंदबाजों की मददगार पिच की जरूरत है ताकि केमार रोच और अलजारी जोसेफ कोई कमाल कर सकें। टीमें : भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रूतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत, ईशान किशन, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, नवदीप सैनी। वेस्टइंडीज : क्रेग ब्रेथवेट (कप्तान) , जर्मेन ब्लॉकवुड, जोशुआ डासिल्वा, एलिक अथानाजे, रहकीम कॉर्नवेल, शेनोन गैब्रियल, जैसन होल्डर, अलजारी जोसेफ, रेमन रीफर, केमार रोच, टी चंद्रपॉल, किर्क मैकेंजी, जोमेल वारिकन। मैच का समय : शाम 7 . 30 से।

एशिया कप : भारत बनाम पाकिस्तान मैच 2 सितंबर को कैंडी में

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2023। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि टीम इंडिया 30 अगस्त से शुरू होने वाले 2023 एशिया कप में 2 सितंबर को कैंडी में पाकिस्तान से खेलेगी। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मुल्तान में खेला जाएगा, जिसमें मेजबान पाकिस्तान का मुकाबला नेपाल से होगा और फाइनल 17 सितंबर को कोलंबो में होगा।

वे मैच ड्राफ्ट शेड्यूल के नवीनतम संस्करण में शामिल हैं, जिसमें एसीसी द्वारा अंतिम संस्करण की घोषणा से पहले और बदलाव देखने की संभावना है। पीसीबी (मेजबान बोर्ड) द्वारा तैयार किए गए मूल ड्राफ्ट शेड्यूल में पहले ही कई पुनरावृत्तियां हो चुकी हैं, जिसका मुख्य कारण हाल ही में एसीसी द्वारा अनुमोदित हाइब्रिड मॉडल के आधार पर पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाने वाला छह देशों का टूर्नामेंट है। टूर्नामेंट में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जो सभी पाकिस्तान मानक समय (भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे) दोपहर 1 बजे शुरू होने वाले हैं। पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत और नेपाल के साथ रखा गया है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ग्रुप बी में हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर फोर चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी और इस चरण में शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। एशिया कप, जो इस बार 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा, अनिवार्य रूप से भारत में 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए नेपाल को छोड़कर छह टीमों में से पांच की तैयारी है।

हमें देश के लिए स्वर्ण पदक की उम्मीद :शाहबाज अहमद

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2023। बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम एशियाई खेलों में अपनी आधिकारिक शुरुआत में स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेगी।

उन्होंने इस तथ्य पर टिप्पणी की कि क्रिकेट को पीली धातु जीतने का मौका मिलना बहुत गर्व की बात है। यह दूसरी बार है जब पुरुष क्रिकेट टीम किसी बहु-खेल प्रतियोगिता में खेलेगी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने 1998 में कुआलालंपुर में राष्ट्रमंडल खेलों में 50 ओवर के प्रारूप में खेला था। हालांकि, मैचों को अंतर्राष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया और उन्हें सूची ए खेलों के रूप में दर्ज किया गया।

शाहबाज़ अहमद ने एक यूट्यूब चैनल 'क्रिकेट बसु' से कहा, हमारे लिए हमारा टूर्नामेंट क्वार्टर फाइनल चरण से शुरू होता है। सभी टीमें अच्छी तरह से तैयार होंगी। हम देश के लिए स्वर्ण पदक की उम्मीद करते हैं। बीसीसीआई ने पिछले हफ्ते 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांगझाउ में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2023 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम और पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की घोषणा की थी।

टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले एशियाई खेल 2023 में पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 28 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होगी। सभी मैच झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट फील्ड में खेले जाएंगे।

पुरुष टीम- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)

स्टैंडबाय खिलाड़ी- यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा, साई सुदर्शन

भारत-पाकिस्तान मुकाबला एक अलग रोमांच देता है : ध्रुव जुरेल

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2023। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता पर जोर देते हुए कहा दिया कि दोनों देशों के बीच एक अलग स्तर का रोमांच देता है। एसीसी मेन्स इमर्जिंग एशिया कप 2023 में बुधवार को भारत ए का मुकाबला पाकिस्तान ए से होगा। दोनों देशों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण ध्रुव इस मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानते हैं।

विकेटकीपर बल्लेबाज ने यह भी कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच हमेशा प्रतिद्वंद्विता रही है, यह एक अलग स्तर का रोमांच देता है। उन्होंने कहा, अगर कोई इस मैच में अच्छा खेल दिखाता है तो यह उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है क्योंकि मैच भारत-पाकिस्तान के बीच है।

दाएं हाथ के भरोसेमंद बल्लेबाज यश ढुल खुले तौर पर उस दबाव को स्वीकार करते हैं जो ऐसे मुकाबले से जुड़ा होता है। हालांकि, वह दबाव को प्रभावी ढंग से संभालने पर जोर देते हैं। उनका अंतिम लक्ष्य परिणाम की परवाह किए बिना अपना बेहतर प्रदर्शन करना है। निःसंदेह दबाव रहेगा, लेकिन हमें इसे संभालने के तरीके ढूंढने होंगे। क्या हम खेल का आनंद लेकर इसे संभालेंगे या हम दबाव लेंगे और परिणामस्वरूप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में असफल रहेंगे, यह पूरी तरह हम पर निर्भर करता है। उन्होंने आगे कहा, हम अपने खेल का आनंद एक सामान्य खेल की तरह लेंगे और हम नतीजों के बारे में नहीं सोचेंगे।

आशीष रमन सेठी बांग्ला स्टेडियम बॉक्सिंग चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बने

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2023। आशीष रमन सेठी बांग्ला बॉक्सिंग स्टेडियम बेल्ट जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए हैं। रात के सबसे तेज़ नॉकआउट में, भारतीय सेनानी ने थाईलैंड के पटोंग में अपने जीवन की सबसे कठिन लड़ाई जीतने और देश को गौरवान्वित करने के लिए कठिन संघर्ष किया। हालांकि कई दिग्गजों ने प्रसिद्ध बांग्ला बॉक्सिंग स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा की है, लेकिन आशीष ने वहां खिताब जीतने वाले पहले भारतीय फाइटर बनकर एक रिकॉर्ड बनाया।

विशेष रूप से, बांग्ला बॉक्सिंग स्टेडियम पटोंग बीच में एक प्रमुख मय थाई क्षेत्र है, जो वास्तविक थाई बॉक्सिंग मैचों की मेजबानी के लिए जाना जाता है, जिसमें असली चैंपियन पुरस्कार, खिताब और थाई बॉक्सिंग परिदृश्य पर अपनी रैंक में सुधार करने के लिए लड़ते हैं।

एक मीडिया विज्ञप्ति में आशीष के हवाले से कहा गया, लड़ाकू खेलों में, हवा की हमेशा एक निश्चित गुणवत्ता होती है। किकबॉक्सिंग एक गहराई से स्थापित आध्यात्मिक मार्ग है जिसने मुझे हमेशा अंदर से मजबूत महसूस कराया है; यह कभी भी ताकत और प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं है।

इस फाइटर ने भारतीय क्रिकेट में हरियाणा का भी प्रतिनिधित्व किया था।भारतीय ने अपनी यात्रा के बारे में और विशेष रूप से उस घटना के बारे में भी बताया जिसने उन्हें बुरी तरह झकझोर कर रख दिया था।

आशीष ने कहा, जब मैंने थाईलैंड में शीर्ष टेलीविजन थाई मुक्केबाजी लीगों में से एक, हार्डकोर मय थाई में भाग लिया, तो मुझे याद है कि अपने तीसरे मैच में मेरा जबड़ा टूट गया था। मुझे किसी भी तरह की कोई अनुभूति नहीं हुई। मुझे तरल पदार्थ से ठीक होने के लिए दो महीने इंतजार करना पड़ा। फिर आठ महीने, और मुझे यकीन था कि मैं उस समय एक भयानक चोट के कारण अपना दिमाग खो रहा था।

इसके बाद आशीष ने किकबॉक्सिंग सीखना शुरू किया। उनके स्थानीय जिम ने उन्हें आवश्यक बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान किया। हालाँकि, उनका मानना था कि उन्हें अपनी क्षमताओं में सुधार करने की आवश्यकता है।

उसके बाद, उन्होंने शौकिया मुक्केबाजी में कई जीत हासिल कीं। एथलीट ने 2018 केएफआई किकबॉक्सिंग राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। 2019 में, उन्होंने मय थाई नेशनल चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। फिर, उन्होंने 85 किलोग्राम वर्ग में एशियाई मय थाई कांस्य पदक जीता, जिसके कारण 2019 में उनकी विश्व चैम्पियनशिप मय थाई जीत हुई।

रैकेट तोड़ना नोवाक जोकोविच को पड़ा महंगा

लगा भारी भरकम जुर्माना

लंदन ,19 जुलाई 2023। 23 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच पर कार्लोस अल्काराज के खिलाफ विंबलडन फाइनल के दौरान नेट पोस्ट पर अपना रैकेट तोड़ने के लिए भारी जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना रविवार को 20 वर्षीय स्पैनियार्ड के खिलाफ उनकी हार के पांचवें सेट में हुई जब जोकोविच अल्काराज की सर्विस तोड़ने में असफल रहे और बाद में अपना सर्विस गेम हार गए और लकड़ी के नेट पोल में से एक के खिलाफ अपने रैकेट को जोर से मारकर अपनी निराशा व्यक्त की।

अंपायर फर्गस मर्फी ने तुरंत जोकोविच को उनके रैकेट-स्मैशिंग उल्लंघन के कारण कोड उल्लंघन के लिए चेतावनी जारी की। परिणाम स्वरूप, सात बार के विंबलडन चैंपियन पर 6,117 पौंड का जुर्माना लगाया गया और यह पैसा उनके 1.175 मिलियन पौंड के उपविजेता चेक से काट लिया जाएगा।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अल्काराज ने ब्रेक का पूरा फायदा उठाते हुए चार घंटे और 42 मिनट के बाद 1-6 7-6 (8-6) 6-1 3-6 6-4 से जीत हासिल की। ऑल इंग्लैंड क्लब में 20 वर्षीय खिलाड़ी की जीत ने जोकोविच को 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से वंचित कर दिया और सेंटर कोर्ट पर उनका अजेय अभियान भी समाप्त हो गया।

रविवार के फाइनल में, जोकोविच पर दो बार कोड उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया। पहला कोड उल्लंघन तब हुआ जब जोकोविच की सर्विस हिट होने से पहले शॉट क्लॉक शून्य पर पहुंच गई। दूसरा उल्लंघन तब आया जब वह पांचवें सेट में ब्रेक से पिछड़ने के बाद उन्होंने अपने रैकेट को नष्ट कर दिया।

मैच के बाद, जब जोकोविच से उनके दो कोड उल्लंघनों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, इसके बारे में बात करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। दूसरा (उनका दूसरा कोड उल्लंघन) निराशा थी। दूसरे गेम में मेरे पास ब्रेक पॉइंट थे। हां, बस कुछ कठिन अंक। सर्बियाई खिलाड़ी को 2020 यूएस ओपन से कुख्यात रूप से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जब उन्होंने राउंड 16 के मुकाबले के दौरान हताशा में एक गेंद को मारा था, गेंद गलती से एक लाइन जज के गले में लग गई थी।

एचएस प्रणय,राजावत दूसरे दौर में

येओसु ,19 जुलाई 2023। फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को कोरिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत की खराब फॉर्म जारी रही और दोनों पहले दौर में ही बाहर हो गये। पांचवें वरीय प्रणय ने बेल्जियम के जूलियन कारागी पर 21-13 21-17 से जीत दर्ज की। एलीट शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी प्रणय का सामना अब ली युन ग्यू और ली चेयूक यिऊ के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। वह पहले दौर में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की पेई यू-पो के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 18-21 21-10 13-21 की हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

इस हफ्ते विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसकने वाली सिंधू यह मुकाबला 58 मिनट में हार गयीं। वहीं श्रीकांत दूसरे गेम में एक मैच प्वाइंट गंवाने के साथ मुकाबला भी हार गये। उन्हें जापान के पूर्व नंबर एक केंटो मोमोटा ने 21-12 22-24 17-21 से हराया। यह दो बार के विश्व चैम्पियन के खिलाफ श्रीकांत की लगातार 12वीं और कुल 15वीं हार थी। भारत के प्रियांशु राजावत हालांकि दूसरे दौर में पहुंच गए। उन्होंने स्थानीय खिलाड़ी चोइ जि हून को पुरूष एकल वर्ग में सीधे गेम में हराया। दुनिया के 32वें नंबर के खिलाड़ी ओरलियंस मास्टर्स विजेता राजावत ने चोइ को 42 मिनट में 21-15 21-19 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका से होगा। जून में विक्टर डेनमार्क मास्टर्स अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब जीतने वाली एन सिक्की रेड्डी और रोहन कपूर की मिश्रित युगल जोड़ी ने एल्विन मोराडा और एलिसा यसाबेल लियोनार्डो की फिलिपीन्स की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में 21-17 21-17 की जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बना ली है। यह भारतीय जोड़ी अगले दौर में फेंग यान झी और हुआंग डोंग पिंग की चीन की चौथी वरीय जोड़ी से भिड़ेगी।

फियर इन आईः मंगलवार का टीजर जारी

अपनी शानदार ब्लॉकबस्टर आरएक्स100 के लिए जाने जाने वाले, अजय भूपति मंगलावर नामक एक और बेहद दिलचस्प फिल्म लेकर आए हैं। इस कच्ची और देहाती एक्शन थ्रिलर का हिंदी टीज़र आज रिलीज़ हो गया है और इसे कुछ ही समय में सभी से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। जैसा कि टीज़र का शीर्षक आँखों में डर है, इसने लुभावने दृश्यों और रोमांचकारी बीजीएम के साथ कुछ ग्रामीणों की आँखों में डर को उजागर किया।

कंटेंट के बारे में अपने स्वयं के बयानों को सही ठहराते हुए, अजय भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं देखी गई शैली की फिल्म पेश करते दिखते हैं। बेहद कच्ची और गहन क्लिप ने रीढ़ को ठंडा कर दिया और कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ के बैकग्राउंड स्कोर ने इसमें एक भयानक आत्मा जोड़ दी है। पायल राजपूत के अलावा, टीज़र में श्रवण रेड्डी, चैतन्य कृष्णा, नंदिता स्वेता, अजय घोष, लक्ष्मण और कई अन्य लोगों की भी झलक मिली जो फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। टीम ने 12 जून को 99 दिनों की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन कार्यों की ओर बढ़ रही है। इस अवसर पर बोलते हुए, निर्माता स्वाति रेड्डी गुनुपति और सुरेश वर्मा एम ने कहा, हमारे निर्देशक अजय भूपति ने खुद को एक बार फिर एक अभूतपूर्व फिल्म निर्देशक के रूप में साबित किया है। उन्होंने बेहतरीन विषयवस्तु वाली एक व्यावसायिक फिल्म बनाई। यह भारतीय सिनेमा की अगले स्तर की फिल्म होने जा रही है और तत्काल ट्रेंडिंग टीज़र इसकी झलक देता है। हम टीज़र को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं। गुणवत्ता और सामग्री मानकों से समझौता किए बिना मंगलावर को बनाते हुए, हमने 99 दिनों का शूटिंग शेड्यूल पूरा किया। जबकि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरी गति से शुरू हो रहा है, हम पैन-इंडियन रिलीज़ का लक्ष्य बना रहे हैं।

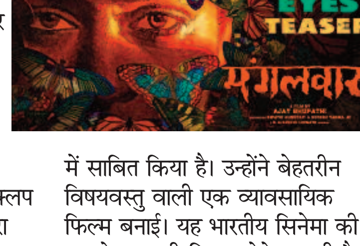

कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ का संगीत इस प्रोजेक्ट में एक प्रमुख योगदान बनने जा रहा है। निर्देशक अजय भूपति ने कहा, हमारा मंगलावर 90 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दुर्लभ एक्शन-थ्रिलर है। यह कच्चे, देहाती दृश्यों और भावनाओं के साथ हमारे जन्म से जुड़ा रहता है। कहानी में 30 पात्र हैं और प्रत्येक पात्र को फिल्म की बड़ी योजना में एक निश्चित स्थान मिला है। कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ इस फिल्म के लिए संगीत दे रहे हैं और इस प्रकार बैकग्राउंड स्कोर फिल्म का एक प्रमुख आकर्षण होगा। स्वाति रेड्डी गुनुपति और सुरेश वर्मा एम मुद्रा मीडिया वर्क्स और ए क्रिएटिव वर्क्स के तहत इस फिल्म का निर्माण किया गया है। निर्माताओं को अपनी फिल्म पर पूरा भरोसा है जिसके चलते उन्होंने इसे पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित करने की घोषणा की है। यह फिल्म जल्द ही तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

बारबाड गाने की शूटिंग के दौरान लगातार रोती रहीं संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने खुलासा किया है कि कैसे वह बारबाड गाने के लिए अपने किरदार की दुखद यात्रा में पूरी तरह से डूब गई थीं और शूटिंग के दो दिन लगातार रोते हुए बिताए थे। एक भावनात्मक यात्रा का वादा करते हुए, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी, यह मधुर ट्रैक संदीपा का अब तक का सबसे दिल छू लेने वाला प्रदर्शन प्रस्तुत करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए, संदीपा ने साझा कियाः बारबाड वास्तव में मेरे लिए एक विशेष गीत है। एक अभिनेता के रूप में, मैंने तीव्र भावनाओं को व्यक्त करने में असुरक्षित महसूस किया है, लेकिन साथ ही इसने चुनौतीपूर्ण पात्रों में ढलने के लिए मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाया है। खुद को पूरी तरह से ढूंढना अपने किरदार की दुखद यात्रा में डूबे हुए, मैंने शूटिंग के दो दिन लगातार रोते हुए बिताए।

दिल्ली में दो दिनों तक फिल्माई गई बारबाड में संदीपा के साथ अभिषेक बजाज और अक्षय चौहान भी हैं। यह गाना एक लड़की की कहानी बताता है जब वह अपने शारीरिक रूप से दुर्व्यवहार करने वाले प्रेमी के दिल दहला देने वाले विश्वासघात को सहती है। बारबाड उन लड़कियों के अनुभवों को उजागर करता है जो प्यार से बुरी तरह टूट गई हैं, कभी-कभी उन्हें अपनी जान लेने के बारे में सोचने पर मजबूर कर देती हैं। उसने कहा। संदीपा ने कहा, हालांकि, गाना एक महत्वपूर्ण संदेश देता है, जो इन लड़कियों को अपने सबसे बुरे क्षणों में ताकत और आशा खोजने और इस तरह के कठोर कार्यों से बचने का आग्रह करता है।

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने फिर मिलाया हाथ, राम चरण और तृषा भी देंगे साथ

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की जोड़ी को प्रशंसक फिल्मी पर्दे पर ही नहीं असल जिंदगी में भी बेहद पसंद करते हैं। दोनों जब भी बड़े पर्दे पर साथ नजर आए हैं, कमाल ही किया है। अब एक बार फिर से दीपिका और रणवीर एक प्रोजेक्ट के लिए साथ आए हैं, जिसमें उनके साथ राम चरण और तृषा कृष्णन भी नजर आएंगे। अभी प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन प्रशंसक टीजर देखकर खुश हो गए हैं।

दरअसल, रणवीर ने इंस्टाग्राम पर अपने नए प्रोजेक्ट का एक टीजर साझा किया है। इसकी शुरुआत दीपिका से होती है, जो अपने लापता पति की तलाश के लिए पुलिस स्टेशन में शिकायत करने पहुंची हैं। रणवीर एक एजेंट के किरदार में हैं, जो कुछ जानकारी मिलने के बाद एक्शन मोड में आते हैं और एक आदमी के साथ मारपीट करते नजर आते हैं। इनके अलावा राम एक आदमी का पीछा कर रहे हैं तो तृषा पुलिस स्टेशन के बाहर हैं।

वीडियो के साथ लिखा है कि उल्टी गिनती शुरू हो गई है क्योंकि 5 जुलाई को सीक्रेट सामने आएगा। ऐसे में प्रशंसक भी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कोई दीपिका और रणवीर को फिर से साथ देखने के लिए खुश है तो किसी ने पूछा कि दोनों फिल्म के लिए ही साथ आए हैं? एक ने लिखा, प्लीज, ये कोई ऐड नहीं होना चाहिए तो दूसरे ने लिखा, साथ में सीन नहीं होने के बाद भी आपकी केमिस्ट्री कमाल है।

नग्न प्रदर्शन मामले पर विधानसभा में मचा भारी हंगामा

» पक्ष विपक्ष में घमासान, भाजपा सदस्य निलंबित

रायपुर, 19 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन आज शून्यकाल में भारी हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। भाजपा ने स्थगन प्रस्ताव किया। गृहमंत्री के जवाब के बाद अध्यक्ष ने स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य कर दिया। नारेबाजी करते हुए विपक्ष के सदस्य गर्भगृह में आ गए। अध्यक्ष ने उन्हें निलंबित कर दिया।

मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा मार्ग पर अनुसूचित जाति जनजाति के युवाओं के नग्न प्रदर्शन और उन युवाओं की गिरफ्तारी का मामला सदन में गूंजा। विपक्ष ने इस मामले पर सरकार को जमकर घेरा। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, अजय चंद्राकर, शिवरतन शर्मा, कृष्णमूर्ति बांधी, धर्मजीत सिंह, इंदु बंजारे सहित विपक्ष ने इस प्रदर्शन के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि यह बहुत संवेदनशील मामला है। एक ही विकल्प है कि राजनीति से ऊपर उठकर मुख्यसचिव की अध्यक्षता में संबंधित विभाग के अधिकारियों की हाई पॉवर कमेटी बनाकर समाधान किया जाए। फर्जी प्रमाण पत्र के दोषियों पर कार्रवाई की जाए। भाजपा सदस्य बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, शिवरतन शर्मा ने सरकार पर आरोपों की बरसात करते हुए कहा कि सतनामी समाज, आदिवासी समाज माफनहीं करेगा। इस पर सत्ता पक्ष से कवासी लखमा, शिवकुमार डहरिया, बृहस्पत सिंह सहित अन्य ने इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार बताया।

तो क्या यह थी फर्जी जाति प्रमाण-पत्र मामले में युवाओं द्वारा नग्न प्रदर्शन किए जाने की असली वजह?

छत्तीसगढ़ में इन दिनों फर्जी जाति प्रमाण पत्र का मामला को लेकर युवाओं द्वारा नग्न प्रदर्शन किए जाने का मामला गर्माया हुआ है। इस बीच एक खबर यह भी आ रही है कि इस मामले में 3 अप्रैल 2023 को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने भी सुकमा और दंतेवाड़ा कलेक्टर को नोटिस भेज कर इस मामले में जवाब तलब किया था। इस खत में 15 दिनों के अंदर इस मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी गई थी।

ऐसे में कयास यह लगाई जा रही है कि जनजाति आयोग का नोटिस मिलने के बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई न किए जाने से निराश होकर युवाओं ने नग्न होकर प्रदर्शन किए जाने का फैसला लिया।

बता दें कि विधानसभा पुलिस ने सभी प्रदर्शन कर रहे युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। युवाओं द्वारा फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले में कार्रवाई की मांग की जा रही है।

नग्न प्रदर्शन उचित नहीं : टीएस सिंहदेव बोले- फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी पाने वालों पर होगी कार्रवाई

एसटी-एससी वर्ग के युवाओं की ओर से मंगलवार को किए गए नग्न प्रदर्शन मामले को लेकर उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, प्रदर्शन करना मौलिक अधिकार है, कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप सामाजिक परिवेश में स्वीकार्य होनी चाहिए। मैं इसे उचित नहीं मानता। डिप्टी सीएम ने कहा कि, फर्जी जाति प्रमाण पत्र से भर्ती हुई है तो कार्रवाई होनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है शासन की संज्ञान में बात है। कार्रवाई चल रही है और कार्रवाई होगी।

आरक्षण का मामला अटका नहीं होता तो...

टीएस सिंहदेव ने बेरोजगारी भत्ता को लेकर सदन में हंगामे पर कहा कि, कार्यालय में बेरोजगार कौन है, इसका पंजीयन नहीं होता। सरकारी नौकरी किसे चाहिए उसका पंजीयन होता है। इसे घुमा फिरा के प्रस्तुत किए जा रहे। सरकार को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। आरक्षण का मामला अटका नहीं होता तो और भी लोगों को सरकारी रोजगार मिल रही होती।

फर्जी जाति के मामले में मुख्य सचिव कीसमीक्षा बैठक आज

कल मंगलवार को अजा-अजजा वर्ग के युवाओं द्वारा किए गए नग्न प्रदर्शन के बाद प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है, मामले में अब तक हुई कार्रवाई की समीक्षा को लेकर मुख्य सचिव ने गुरुवार 20 जुलाई को बुलाई है।

बैठक में फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी पाने वालों की नौकरी निरस्त करने की समीक्षा होगी, इस संबंध में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के सचिव डी.डी. सिंह ने विभिन्न विभागों के आला अफसरों को अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी के साथ बैठक में आने के लिए पत्र लिखा है।

अनुपूरक बजट के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पेश की 2000 करोड़ की महत्वपूर्ण घोषणाएं

रायपुर, 19 जुलाई 2023(ए)। आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश करने के दौरान सीएम भूपेश बघेल ने 2000 करोड़ की महत्वपूर्ण घोषणाएं की है।

क्या है मुख्यमंत्री की 2000 करोड़ की मुख्य घोषणाएं

- लगभग 5 लाख शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी, इस प्रकार मूल वेतन पर अब तक कुल 42 प्रतिशत बढ़ोत्तरी, 4 प्रतिशत बढ़ोत्तरी होने से 800 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- 37000 संविदा कर्मियों के वेतन में 27 प्रतिशत वृद्धि, इससे 350 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- दैनिक वेतन भोगी के वेतन में 4000 रुपए मासिक वृद्धि, इससे 240 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- 1650 अतिथि शिक्षकों के वेतन में 2 हजार रुपए मासिक की बढ़ोत्तरी, इससे 4 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- 6000 पटवारियों को 500 रुपए मासिक संसाधन भत्ता, इससे 4 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- सभी शासकीय सेवकों को 7 वें वेतनमान पर बी श्रेणी शहर हेतु 9 प्रतिशत एवं सी तथा अन्य शहरों हेतु 6 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता दिया जाएगा। इससे 265 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- सभी पुलिस आरक्षकों को 8000 रुपए किट वार्षिक भत्ता दिया जाएगा। इसका 40 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- मितानिन ट्रेनर, ब्लाक कोआर्डिनेटर एवं हेल्प डेस्क आपरेटर को प्रतिदिन दैनिक प्रोत्साहन भत्ता 100 रुपए दिया जाएगा। इससे 11 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- 10 हजार पंचायत सचिवों को 2500 से 3000 रुपए मासिक दिया जाएगा। इससे 50 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा। इसके अतिरिक्त उन्हें अर्जित अवकाश, दस लाख रुपए तक की उपादान राशि एवं पांच लाख रुपए तक चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति का लाभ भी दिया जाएगा।
- शासकीय सेवकों के लिए उपरोक्त घोषणाओं से कुल 1764 करोड़ रुपए का व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा।
- मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत अधिकतम सहायता राशि की सीमा 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दी गई है।
- सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2011 की सर्वे सूची के आधार पर प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की पात्रता निर्धारित होने से जरूरतमंद परिवारों को आवास स्वीकृत करने में कठिनाई हो रही थी। इसे दूर करने राज्य के संसाधनों से ग्रामीण आवास न्याय योजना आरंभ की जाएगी। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

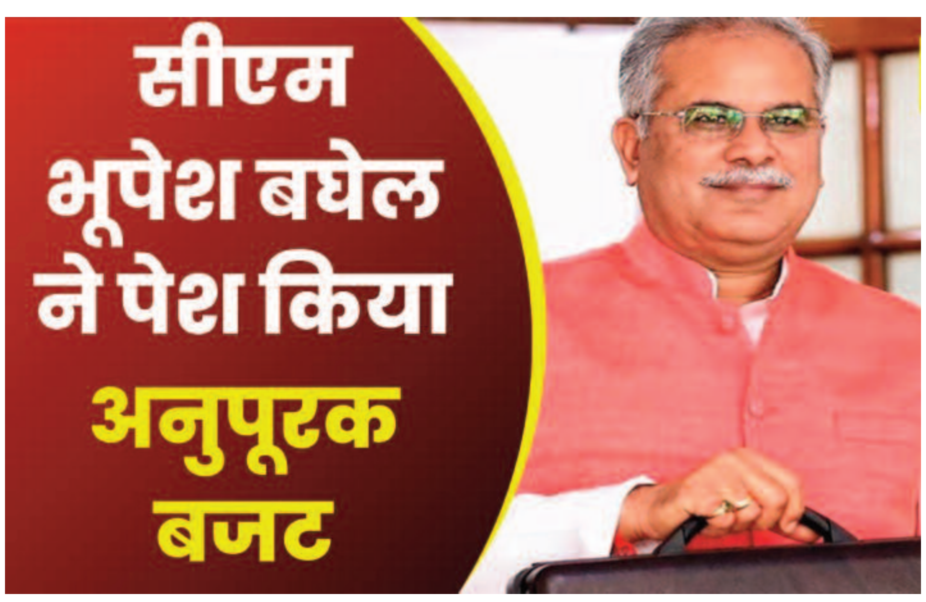

गरमाया बेरोजगारी भत्ते का मामला

विपक्ष ने किया वॉकआउट

रायपुर, 19 जुलाई 2023 (ए)। विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन बेरोजगारी भत्ते को लेकर सदन गरमाया। विभागीय मंत्री उमेश पटेल के जवाब से असंतुष्ट भाजपा सदस्यों ने हंगामा मचाया। इसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

विपक्ष ने पूछा कि 22 हजार लोगों को रोजगार देने का विज्ञापन दिया, तो 33 हजार लोगों की भर्ती कैसे हो गई। विभागीय मंत्री ने माना कि 22 हजार विज्ञापन में 33 हजार लोगों को रोजगार मिला है। इसके लिए अलग-अलग विभागों में व्यवस्था की गई।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि बेरोजगारों को भत्ता देने के नियम रोज बदले जा रहे हैं। सरकार 10 लाख लोगों को रोजगार देने के होर्डिंग लगा रही है, लेकिन कितने बेरोजगार पंजीकृत है, इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है। विभागीय मंत्री उमेश पटेल के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने खड़े होकर नारेबाजी शुरू कर दी।

अजय चंद्राकर ने कहा कि बेरोज़गारी पंजीयन के लिए उम्र की बाध्यता नहीं है। ये हास्यास्पद है, चर्चा के दौरान मंत्री उमेश पटेल ने तंज कसते हुए कहा कि वैसे अजय चंद्राकर अभी जाकर पंजीयन कराएंगे तो उनका भी हो जाएगा, लेकिन वर्तमान में विधायक हैं, अभी न जाएं, नहीं तो मैसेज अच्छा नहीं जाएगा।

मंत्री उमेश पटेल ने बताया कि 20 जून 2023 की स्थिति में 1,72,553 ने बेरोजगारी भत्ता हेतु पंजीयन कराया है. 20 जून 2023 की स्थिति में 1,14,764 पात्र एवं 33559 अपात्र हुए हैं। अजय चंद्राकर ने कहा कि बिना किसी को नौकरी दिए 33 हजार 659 अपात्र हो गए। शिवरतन शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बेरोजगारों को गुमराह किया जा रहा है. भाजपा के सदस्य इस मामले में मंत्री के जवाब से असंतुष्ट नजर आए।

भाजपा विधायक शिवरतन शर्मा ने पूछा कि विशेष आबकारी शुल्क में कितने का कलेक्शन हुआ? गौठान, शिक्षा & स्वास्थ्य के लिए कलेक्शन की राशि का कितना रुपया विभागों को भेजा गया है? मंत्री कवासी लखमा ने बताया कि 1059 करोड़ गौठान में गया है। शिक्षा विभाग में 558 करोड़ दिया है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि विभागों को पैसे नहीं दिए गए और उसका दुरुपयोग किया गया है। शिवरतन ने सवाल किया कि शराबबंदी के लिए 3 समितियों के गठन का कार्यकाल कितने समय के लिए निर्धारित किया था, कितना समय बढ़ाया गया और कब-कब रिपोर्ट सौंपी गई? वहीं धरमलाल कौशिक ने कहा कि आपने जब गंगा जल लेकर शराबबंदी करने की कसम खाई थी, तब भाजपा से पूछा था क्या। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने हंगामा करते हुए शराब बंदी का नारा लगाया।

जब पेट्रोल की जगह निकलने लगा पानी

बिलासपुर, 19 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में पेट्रोल की जगह पेट्रोल पंप से पानी निकलने की घटना सामने आई है। ग्राम जोंधरा में स्थित ओशो पेट्रोल पंप में अचानक पेट्रोल की जगह पानी निकलने और एक दर्जन से अधिक गाड़ियों में पानी युक्त पेट्रोल डलने से हड़कंप मच गया। पेट्रोल की जगह पानी निकलने की बात कहकर लोगों ने जमकर हंगामा किया। वहीं इस घटना का अब वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है।

मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र के ओशो फ्यूल्स का है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम जोंधरा में जोंधरा से पामगढ़ (जांजगीर) जिला को जोड़ने वाली मेन रोड पर ओशो फ्यूल्स नामक पेट्रोल पंप है। यहां सोमवार सुबह 10-11 बजे के आसपास अपने मंजिल की ओर आनेजाने वाले वाहनों के मालिक ओशो पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलवाने पहुंचे और पेट्रोल डलवाकर अपनी मंजिल की ओर निकल गए, लेकिन बीच रास्ते में गाड़ियां (बाइक) अचानक बंद होने लगी। कई वाहन चालकों को रास्ते में ही मैकेनिक बुलाना पड़ गया, तो कई बाइक चालकों ने पैदल ही अपने बाइक को धक्का देकर मैकेनिक तक पहुँचाया, जहां पता चला की उनकी गाड़ीयों में पेट्रोल की जगह पानी डली हुई है।

इसके बाद दर्जनों बाइक सवार सीधे ओशो पेट्रोल पंप पहुंचे और इसकी शिकायत पेट्रोल पंप संचालक से कर हल्ला मचाने लगे, तब पेट्रोल पंप संचालक ने मौके पर मैकेनिक को बुलाकर और पंप में तैनात कर्मचारियों ने एक-एक कर गाड़ियों से पानी युक्त पेट्रोल को निकलवाया। मगर फिर भी दर्जनों गाड़ियों के करबोरेटर में पानी घुसने से गाड़ीयां खराब हो गई और उनका घंटों समय भी बरबाद हो गया। वहीं जब इस मामले में पेट्रोल पंप संचालक से बात की गई तब उन्होंने बताया कि, उन्हें भी इसकी जानकारी नहीं है कि यह कैसे हो गया। पेट्रोल पंप संचालक ने बताया कि मेरे हजार लीटर से अधिक पेट्रोल में पानी घुस गया। इससे 1 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है

रेलवे स्टेशन में अजगर निकलने से यात्रियों में दहशत

बिलासपुर, 19 जुलाई 2023 (ए)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के जोन मुख्यालय बिलासपुर रेलवे स्टेशन में यात्रियों के बीच अजगर सांप निकलने से हड़कंप मच गया। एक स्टॉल संचालक ने अजगर को पकड़ने का असफल प्रयास भी किया।

दरअसल पटरी के किनारे और रेलवे स्टेशन परिसर में मोटे-मोटे चूहों का आतंक है। इन चूहों के लालच में अक्सर रेलवे स्टेशन के आसपास जहरीले सर्प निकलते रहते हैं। बताया जाता है कि इसी क्रम में प्लेटफार्म नंबर 4-5 में एक अजगर चूहों का शिकार करने निकला था। अचानक एक यात्री की नजर अजगर पर पड़ी और इसके बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। लोग अजगर को देखने जुटने लगे, इसी बीच एक स्टॉल संचालक ने हिम्मत करते हुए अजगर को पूंछ से पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहा। इसके बाद अजगर भी सजग हो गया और प्लेटफार्म को पार कर झाडियों में गुम हो गया। यात्रियों को इसकी सूचना रेलवे अमले को दी, मगर रेलवे अमले से कोई रिस्पांस नहीं मिला।

विधानसभा में गूंजा तीन बच्चियों की मौत का मामला...

रायपुर, 19 जुलाई 2023 (ए)। विधायक धर्मजीत सिंह ने विधानसभा में अरपा नदी में डूबकर तीन बच्चियों की मौत का मामला उठाया। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि बीस फीट की गहराई में बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि, रेत तस्करों को संरक्षण देने वाले लोग सदन में मौजूद हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, रेत माफियाओं को सत्तारूढ़ दल का संरक्षण मिल रहा है। नदी में डूबकर मरने वाली बच्चियों को सरकार मुआवजा दे और जल्द से जल्द रेत तस्करों को जेल भेजने की तैयारी करे। अरपा में डूब गई तीन बहनें

उल्लेखनीय है कि, 17 जुलाई को बिलासपुर में स्थित अरपा नदी में डूबने से दो सगी बहनों और एक चचेरी बहन की मौत हो गई थी। तीनों नहाने के लिए अरपा नदी में पहुंची थीं। लेकिन नहाते-नहाते तीनों का पैर फिसल गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। विपक्ष लगातार रेत के अवैध उत्खनन को ही मौत का जिम्मेदार बता रहा है। विपक्ष का साफ तौर पर कहना है कि, जो रेत माफिया को संरक्षण दे रही है, वो राज्य सरकार ही है, इसी वजह से रेत माफिया बेखौफ होकर घूम रहे हैं।

महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कई नाम आए सामने

रायपुर, 19 जुलाई 2023 (ए)। कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों के इस्तीफे के बाद अब नए दावेदारों की लिस्ट लंबी होती जा रही है। फूलो देवी नेताम के छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अब नए अध्यक्ष पद के लिए कई नाम सामने आने लगा है।

नए महिला अध्यक्ष के लिए दो नाम आगे आए है। महासमुंद जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल और राजनांदगांव की महापौर हेमा देशमुख का नाम सबसे ऊपर चल रहा है। इन्हीं में से किसी एक महिला को महिला कांग्रेस की कमान मिलने की संभावना जताई जा रही है। कांग्रेस के अंदर खाने से यह भी जानकारी आ रही है कि भूपेश बघेल खुज्जी विधायक छन्नी साहू का नाम अध्यक्ष के लिए आगे बढ़ा सकते है। सूत्रों को कहना है कि आगामी विधानसभा चुनाव छन्नी साहू को नहीं लड़ाकर वहां से राजनांदगांव जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष नवाज खान को टिकट दी जा सकती है। इसलिए छन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। इसके अलावा भी कई नाम कांग्रेस में चल रहा है, लेकिन इस दौरान फिर से कोई नया नाम सामने आ जाए तो इसमें अचरज नहीं होगा।

छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव

» 109 बिंदुओं पर आरोप पत्र किया गया तैयार, दो दिन होगी बहस

रायपुर, 19 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र का आज दूसरा दिन था। जहां विपक्षियों ने सरकार को अपने सवालों से घेरा। वहीं सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्तगित होने बाद फिर से शुरू हुई। विपक्षियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाया है। मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव पर दो दिन चर्चा होगी। विधानसभा अध्यक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति दे दी है।बता दें कि आज सदन में प्रश्नकाल के दौरान युवाओं का नग्न प्रदर्शन, शराब घोटाला, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जमकर हंगामा हुआ। मंत्री उमेश पटेल के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। बेरोजगारी के आंकड़ों को लेकर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के सवाल पर लगभग 33 मिनट तक बहस चली।

जानकारी के अनुसार भाजपा आज सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश की है।विश्वास प्रस्ताव के लिए बीजेपी ने मंगलवार को एकात्म परिसर में बड़ी बैठक की थी। विधायक दल की बैठक में 109 बिंदुओं का आरोप पत्र के आधार पर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को घेरने की रणनीति बनी। इसमें शराब घोटाला, कोयला परिवहन घोटाला, पीएससी में गड़बड़ी, डीएमएफ घोटाला, मनरेगा घोटाला, सीमेंट घोटाला, आत्मानंद स्कूल में घोटाला शामिल हैं। नेता प्रतिपक्ष ने बैठक के बाद कहा था कि भाजपा विधायक सभी तथ्यों और तर्कों के साथ अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से सरकार को घेरेंगे। भूपेश सरकार के असली चेहरे को जनता के सामने उजागर करेंगे। चंदेल ने कहा कि अधिकारियों की पदस्थापना में बोली लग रही है। 5000 करोड़ से ज्यादा का राशन घोटाला हो गया। कैंपा मद में भी बंदरबांट हुई है।

विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव

स्कूल बस को ट्रेलर ने मारी टक्कर

रायगढ़ 19 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में स्कूल बस और ट्रक की आपस में भिड़ंत हो गई। इस घटना में ड्राइवर समेत 22 बच्चों के घायल होने खबर है। घटना में दोनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें बस चालक कई घंटों तक स्टीयरिंग में ही फंसा रहा। वहीं घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। घटना रायगढ़ के घरघोड़ा थाना क्षेत्र के कंचनपुर का है।जानकारी के अनुसार हादसा उस वक्त हुआ, जब स्कूल बस छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर घर छोड़ने जा रही थी। घायल बच्चों कीस्थिति अभी सामान्य बतायी जा रही है। हालांकि डाक्टरों ने अभी बच्चों को निगरानी में रखने को कहा है। मौके पर पहुंची घरघोड़ा पुलिस कर रही है मामले पर की जांच की जा रही है। पिछले महीने दो बस हादसों घरघोड़ा क्षेत्र में हो चुके हैं। बस हादसे की महीने भर की यह तीसरी बड़ी घटना हुई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)